दिल्ली
अधिकतम तापमान 34 डिग्री
न्यूनतम तापमान 24 डिग्री
एनसीआर
अधिकतम तापमान 33 डिग्री
न्यूनतम तापमान 24 डिग्री

बुधवार 04 जून 2025
सूर्योदय प्रातः 05:23 बजे
सूर्यास्त सांय 19:17 बजे

एनसीआर टुडे

करंट न्यूज करंट व्यूज

पृष्ठ 4 प्रकृति प्रदत्त जीवनदायी, विकास के विनाशकारी प्रभाव

उत्तर प्रदेश और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित | वर्षः 16 | अंकः 229 | गाजियाबाद, बुधवार 04 जून 2025 | मूल्य : ₹ 2 | पेज : 06 | विक्रमी संवत् 2081 | युगाब्द 5126 | शाक 1946

केनरा बैंक Canara Bank
SCAN & PAY
UPI ID: 300012627000246@cnrb
BHIM UPI
Canara ai1 | CBDC | Paytm
Cred | PhonePe | Google Pay
DIGITAL RUPEE ACCEPTED HERE

NCR MASALA
India's Premium Masala
9410855900
ncrmasala@gmail.com
get online www.ncrmasala.com
गर्म मसाला, हल्दी, मिर्च, धनिया, जीरा
व अन्य रसोई मसाले

जम्मू कश्मीर में तीन सरकारी कर्मचारी बर्खास्त

✷ वेबवार्ता. श्रीनगर ✷। 'देश की सुरक्षा को खतरा' बताते हुए जम्मू कश्मीर सरकार ने तीन सरकारी अधिकारियों को बर्खाशत कर दिया गया है। अधिकारियों के मुताबिक उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने मंगलवार को यह आदेश जारी किया। केंद्र शासित प्रदेश में सुरक्षा के लिए खतरा उत्पन्न करने वाले अब तक कुल 80 सरकारी कर्मचारियों को बर्खाशत किया जा चुके हैं। आज बर्खाशत किए गए कर्मचारियों में पुलिस कांस्टेबल मलिक इश्फाक नसीर, स्कूल शिक्षा विभाग में शिक्षक एजाज अहमद और श्रीनगर के सरकारी मेडिकल कालेज में कार्यरत कनिष्ठ सहायक वसीम अहमद खान शामिल हैं। तीनों फिलहाल जेल में है। इन लोगो की बर्खाशतगी संविधान के अनुच्छेद 311(2)(सी) के तहत की गयी है जो सरकार को स्पष्टीकरण मांगे बिना या किसी व्यक्ति के आचरण की जांच किए बिना ही सरकारी कर्मचारियों को बर्खाशत करने का अधिकार देता है।

मोदी के 6 को संभावित जम्मू दौरे के मद्देनजर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था

✷ वेबवार्ता. जम्मू ✷। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आगामी छह जून को संभावित जम्मू दौरे और बहुप्रतीक्षित कटरा-श्रीनगर रेल लिंक के उद्घाटन किये जाने की संभावना के मद्देनजर जम्मू-कश्मीर में, विशेष रूप से रेलवे लाइनों, रेलवे स्टेशनों और प्लेटफार्मों पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गयी है। इससे पहले गत 19 अप्रैल को प्रधानमंत्री मोदी द्वारा इस रेल लिंक को उद्घाटन खराब मौसम के पूर्वानुमान के कारण स्थगित कर दिया गया था। आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक वीवीआईपी दौरे के बारे में अभी कुछ भी स्पष्ट रूप से जारी नहीं किया गया है, लेकिन शीर्ष अधिकारियों के निर्देश पर सुरक्षा को और बढ़ा दिया गया है और उम्मीद है कि इस सप्ताहांत तक कटरा-श्रीनगर रेल लिंक का उद्घाटन हो जाएगा।

भारत ध्रुवीय अनुसंधान पोत बनाएगा नॉर्वे के साथ समझौता

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। भारत पहली बार नार्वे के सहयोग से अपना पहला पहला ध्रुवीय अनुसंधान पोत (पीआरवी) बनाने जा रहा है तथा नार्वे की कंपनियों को भारत के पोतनिर्माण और पुराने पोतों को तोड़ने के कारोबार में निवेश बढ़ाने का निमंत्रण दिया है। नार्वे की यात्रा पर गए बंदरगाह, नौवहन और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल की उपस्थिति में भारत के स्थित गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड (जीआरएसई) ने नार्वे के कोंग्सबर्ग समूह के साथ सहयोग के करार पर हश्ताक्षर किए गए। जीआरएसई का मुख्यालय कोलकाता में है तथा ओस्लो स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध कोंग्सबर्ग रक्षा, ऊर्जा, समुद्री, मत्स्य पालन और एयरोस्पेस उद्योगों को प्रौद्योगिकी समाधान प्रश्तुत करने का कारोबार करती है।

सुप्रीम कोर्ट में बकरीद की छह जून को हो सकती है छुट्टी

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। उच्चतम न्यायालय में पूर्व-निर्धारित सात जून (शनिवार) की बजाय छह जून (शुक्रवार) को ईद-उल-जुहा (बकरीद) का अवकाश हो सकता है। शीर्ष अदालत ने एक परिपत्र जारी कर कहा है कि अवकाश की छुट्टी की तारीख में बदलाव चंद्रमा की दृश्यता के आधार पर भारत सरकार द्वारा इस संबंध में टी.वी. आदि पर राजपत्रित अवकाश घोषित किए जाने पर निर्भर करेगा।

जहाँ झुग्गी, वहाँ मकान भी जुमला साबित हुआ : आप

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। आम आदमी पार्टी (आप) ने कहा कि चुनाव के दौरान भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की ओर से 'जहाँ झुग्गी, वहाँ मकान' का वादा किया गया था वह भी जुमला साबित हुआ। आप के वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया ने एक्स कर मंगलवार को कहा, "जहाँ झुग्गी, वहाँ मकान दिल्ली में भाजपा द्वारा दी गई यह चुनावी गारंटी भी एक जुमला साबित हुई।

योगी कैबिनेट ने लिया फैंसला, उत्तर प्रदेश में अग्निवीरों को मिलेगा

पुलिस और पीएसी भर्ती में 20 फीसदी आरक्षण

✷ एनसीआर टुडे. लखनऊ ✷

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई कैबिनेट बैठक में अग्निवीरों को लेकर बड़ा फैसला लिया गया है। कैबिनेट बैठक में फैसला लिया गया कि अब यूपी पुलिस और पीएसी में भर्ती के दौरान अग्निवीरों को 20 प्रतिशत आरक्षण दिया जाएगा। साथ ही इन्हें आयु सीमा में भी विशेष छूट दी जाएगी।

योगी कैबिनेट ने उत्तर प्रदेश पुलिस आरक्षी, पीएसी, आरक्षी घुडसवार और फायरमैन की सीधी भर्ती में पूर्व अग्निवीरों को (4 साल की सेवा के पश्चात) 20 प्रतिशत पदों को आरक्षित रखते हुए क्षैतिज आरक्षण प्रदान किए जाने के प्रश्ताव को स्वीकृति दी गई। भूतपूर्व सैनिक की तरह अग्निवीर के रूप में की गई सेवा अवधि को घटाते हुए अधिकतम आयु सीमा में तीन वर्ष की छूट प्रदान की जाएगी।

वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि भारत सरकार द्वारा अग्निपथ योजना शुरू की गई है, जो देशभक्त और प्रेरित युवाओं को सशस्त्र बलों (भारतीय सेना, भारतीय नौसेना और भारतीय वायु सेना) में सेवा करने का अवसर देती है। इसके तहत अग्निवीरों का पहला बैच 2026 में सेवा से बाहर आएगा। उत्तर प्रदेश के पूर्व अग्निवीरों को प्रदेश सरकार के इस निर्णय का लाभ मिलेगा। इसके अलावा योगी कैबिनेट ने 'उत्तर प्रदेश औद्योगिक निवेश एवं रोजगार प्रोत्साहन नीति-2017' के तहत मेगा श्रेणी के औद्योगिक उपक्रमों के द्वारा 5 इकाईयों को प्रोत्साहन धनराशि दिए जाने का निर्णय लिया गया। इसके तहत, एसएलएमजी बेवरेज प्रा. लि., बाराबंकी को अनुमानित वितीय प्रोत्साहन / सुविधाओं की प्रथम किश्त के रूप में 38,73,01,888 रुपए, सिल्वरटन पल्प एंड पेपर्स प्रा. लि. मुजफ्फरनगर को 1,88,99,905 रुपए, एसीसी लि., अमेठी को 17,28,07,828 वंडर सीमेन्ट लि. अलीगढ़ को 38,32,30,659 और मून वेबरेजेज हापुड़ को अनुमानित वित्तीय प्रोत्साहन / सुविधाओं की प्रथम किश्त की धनराशि 8,68,31,672 रुपए की वित्तीय स्वीकृति दी गई। योगी कैबिनेट ने उत्तर प्रदेश बेड एंड ब्रेकफास्ट (बीएंडबी) एवं होमस्टे नीति-2025 को भी मंजूरी दे दी है। इस नई नीति का उद्देश्य राज्य के धार्मिक और पर्यटन स्थलों पर आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों को ठहरने की बेहतर और सुलभ सुविधा प्रदान करना है। पर्यटन विभाग के प्रश्ताव के अनुसार, अक्सर देखने में आता है कि प्रमुख धार्मिक या पर्यटन स्थलों पर होटल फुल हो जाते हैं, जिससे पर्यटकों को रुकने में परेशानी होती है। इसी समस्या के समाधान के लिए यह नीति तैयार की गई है। लोकभवन के सभागार में आयोजित कैबिनेट बैठक में कुल 11 प्रश्ताव अनुमोदन के लिए रखे गए, जिसमें कैबिनेट ने 10 प्रश्तावों को स्वीकृति प्रदान की। बीएंडबी एवं होमस्टे नीति-2025 के अनुसार धार्मिक और पर्यटन स्थलों में कोई भी व्यक्ति अपने 1 से 6 कमरों तक की इकाई को होमस्टे के रूप में रजिस्टर करा सकता है। इसके तहत, अधिकतम 12 बेड की अनुमति होगी। कोई भी पर्यटक लगातार 7 दिन तक इस सुविधा का लाभ उठाते हुए यहां ठहर सकता है। इससे अधिक ठहरने की स्थिति में रिन्यूअल की भी व्यवस्था होगी

इंडिया समूह ने दोहराई विशेष सत्र बुलाने की मांग, मोदी को फिर लिखा पत्र

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

विपक्षी दलों के इंडिया समूह ने पहलगाम हमला, आपरेशन सिंदूर,

सैन्य कार्रवाई तथा आतंकवाद को खत्म कर पाकिस्तान को अलग-थलग करने में देश कितना सफल रहा इन सब मुद्दों पर व्यापक चर्चा के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाने की मंगलवार को मांग करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखा है जिसमें 16 दलों के नेताओं ने हश्ताक्षर किये हैं।

इंडिया समूह के नेताओं ने कहा कि पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद की स्थिति और सांसदों के सात प्रतिनिधि मंडलों को दुनिया के विभिन्न देशों की राजधानियों में भेजकर आतंकवाद पर हम अपना पक्ष रखने में कितना सफल रहे इसकी जानकारी देश चाहता है। विपक्षी दलों ने कहा कि सांसदों का प्रतिनिधि मंडल लौट रहा है और इसमें दुनिया को समझाने में हम कितना सफल रहे इस बारे में सारी जानकारी संसद में दी जानी चाहिए।

उन्होंने इस बात पर आश्चर्य जताया कि पूरी दुनिया को बताने के लिए सांसदों का प्रतिनिधि मंडल विदेशों में भेजा जाता है लेकिन अपनी संसद और उसके माध्यम से देश की जनता को कुछ नहीं बताया जाता है।

संसद सत्र को आवश्यक बताते हुए उन्होंने कहा कि विशेष सत्र बुलाकर सांसदों और देश को पूरे घटनाक्रम की जानकारी देना जरूरी है।

आगरा : यमुना नदी में डूबी 6 लड़कियां, मृतका के पिता का दावा- तीन की मौत

✷ एनसीआर टुडे. आगरा ✷

उत्तर प्रदेश के आगरा में एक बड़ा हादसा सामने आया है, जहां यमुना नदी में नहाते समय छह लड़कियां डूब गईं। पता चला है कि नदी में डूबने वाली सभी लड़कियां नाबालिग हैं।

मामला आगरा के थाना सिकंदरा क्षेत्र का है। बताया जा रहा है कि लड़कियां नदी में नहाने गई थीं और इसी दौरान उनमें से छह लड़कियां डूब गईं। घटना के बाद मौके पर हड़कंप मच गया।

आसपास मौजूद अन्य लोगों ने लड़कियों के डूबने की जानकारी पुलिस और परिवार को दी। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने लड़कियों के शवों को नदी से बरामद किया।

मृतका के पिता सुंदर ने बताया कि परिवार की सभी लड़कियां यमुना नदी में नहाने गई थीं, जिनमें छह लड़कियां डूब गईं। मृतका में एक मेरी बेटी है, इसके अलावा कुछ अन्य लड़कियां भी हैं। अब तक तीन की मौत हुई है और तीन का अस्पताल में इलाज चल रहा है। नदी में डूबने वाली सभी लड़कियां नाबालिग हैं।

फिलहाल इस हादसे के बाद मौके पर आला अधिकारी भी पहुंच गए हैं। हालांकि, अब तक प्रशासन की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया गया है। साथ ही मरने वाली लड़कियों की संख्या का भी खुलासा नहीं किया गया है। इस घटना के बाद मृतकों के परिवार में मातम पसर गया है और आसपास के लोग उनके घरों पर पहुंच रहे हैं।

इससे पहले, 13 मई को उत्तर प्रदेश के हरदोई जिले के अरवल थाना क्षेत्र में रामगंगा नदी में भी एक बड़ा हादसा हुआ था। नदी पार फसल देखने गए एक ही परिवार के सात लोग नदी की तेज धारा में अचानक बह गए थे। तब स्थानीय लोगों की मदद से चार लोगों को बचा लिया गया था।

हाशिए पर पड़े कमजोर वर्ग विकसित राष्ट्र की परिवर्तन यात्रा में पीछे न रह जाएं, मुर्मु ने किया आह्वान

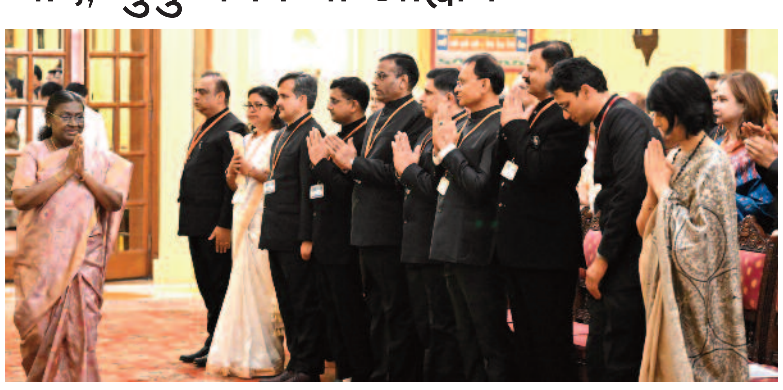

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने देश के नवनियुक्त प्रशासनिक अधिकारियों का मंगलवार को आह्वान किया कि वे अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए यह सुनिश्चित करें कि हाशिए पर पड़े कमजोर वर्ग एक विकसित राष्ट्र की परिवर्तन की यात्रा में पीछे न रह जाएं। विभिन्न राज्य सिविल सेवाओं से शामिल किए गए और लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासनिक अकादमी (एलबीएसएनएए) में 127वें प्रेरण प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेने वाले भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों ने आज यहां राष्ट्रपति भवन में भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की।

राष्ट्रपति ने अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य सिविल सेवाओं के अधिकारियों के रूप में उनके प्रयास राज्य-विशिष्ट प्राथमिकताओं पर आधारित होने चाहिए। उन्हें जमीनी श्तर पर लोगों की भलाई और विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी चाहिए और सीधे स्थानीय समुदायों को प्रभावित करने वाले मुद्दों को निपटाना चाहिए।

आगे भी वे इन मुद्दों के लिए जिम्मेदार होंगे लेकिन उनकी भूमिका और जिम्मेदारियां दायरे और जटिलता में और बढ़ेंगी। वे अब केवल एक क्षेत्र के प्रशासक नहीं हैं-उन्हें राष्ट्रीय श्तर पर शासन के मानकों का पालन करना पड़ता है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि उनके काम को विकसित भारत के व्यापक दृष्टिकोण के अनुरूप होना चाहिए। राष्ट्रपति ने अधिकारियों से कहा कि समावेशी विकास में उनका योगदान महत्वपूर्ण हो सकता है।

उनके प्रयासों को विशेष रूप से यह सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए कि हाशिए पर पड़े और कमजोर वर्ग एक विकसित राष्ट्र में राष्ट्र के परिवर्तन की यात्रा में पीछे न रहें। उन्होंने कहा कि जब गरीब और वंचित लोग विकास और समृद्धि का अनुभव करेंगे तभी हम एक विकसित राष्ट्र के लक्ष्य को साकार करने के करीब पहुंचेंगे।

राष्ट्रपति ने कहा कि प्रौद्योगिकी और नवाचार अपने कार्य करते समय निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। सेवा वितरण में सुधार से लेकर डेटा-संचालित निर्णय लेने को सक्षम करने तक, डिजिटल उपकरण कुशल, पारदर्शी और नागरिक-अनुकूल शासन प्रणालियों के निर्माण में मदद कर सकते हैं।

उन्होंने अधिकारियों को एआई, ई-गवर्नेंस और डिजिटल फीडबैक तंत्र में नवाचारों को अपनाने की सलाह दी ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सरकारी योजनाएं अंतिम छोर तक पहुंच सकें।

पीठासीन अधिकारियों को मतदान खत्म होते ही डाटा अपडेट करना होगा

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

चुनाव आयोग मतदान के आंकड़े अद्यतन करने की एक नयी व्यवस्था करने जा रहा है जिसमें प्रत्येक मतदान केंद्र का पीठासीन अधिकारी (पीआरओ) को मतदान बंद होने के बाद तुरंत, मतदान केंद्र छोड़ने से पहले मतदान के आंकड़े आयोग के एकीकृत डिजिटल ऐप 'ईसीआईएनईटी' में दर्ज करना होगा, ताकि क्षेत्र-वार मतदान प्रतिशत की सूचना में विलम्ब कम से कम हो। यह व्यवस्था बिहार विधान सभा चुनाव के साथ शुरू की जायेगी।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेद्र कुमार के नेतृत्व में आयोग द्वारा चुनाव प्रक्रिया को अधिक चाक-चौबंद, मतदाताओं और हितधारकों के अनुकूल बनाने के लिए निरंतर की जा रही पहलों के बीच आयोग का यह निर्णय आखिरी दो घंटों के मतदान प्रतिशत को जारी होने में विलम्ब को लेकर पार्टियों और प्रत्याशियों द्वारा प्रायः उठाये जाने वाले सवालों के मद्देनजर एक महत्वपूर्ण फैसला है।

आयोग के एक अधिकारी ने कहा, " अभी तक पीठासीन अधिकारी अपने-अपने मतदान केंद्र पर हुए मतदान का पूरा विवरण निर्धारित प्रारूप में प्रत्याशियों के एजेंटों को बाकायदा उपलब्ध कराने के बाद इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) जमा कराने की जगह पर मशीन जमा करने के बाद अंतिम आंकड़े अपडेट करते हैं।

अब उन्हें मतदान समाप्त होने के तुरंत बाद, मतदान केंद्र छोड़ने से पहले डाटा ईसीआईएनईटी ऐप पर अपडेट करना होगा। आयोग ने एक विज्ञप्ति में कहा कि यह नयी प्रक्रिया बिहार विधान सभा चुनाव के साथ लागू होगी। बिहार में अक्टूबर में चुनाव कराये जाने हैं।

जी-7 सम्मेलन में शामिल नहीं होना हमारी कूटनीतिक विफलता : कांग्रेस

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

कांग्रेस ने कहा है कि जी-7 यानी समूह सात के देशों के शिखर सम्मेलन में भारत को आमंत्रित किया जाता रहा है लेकिन पिछले छह साल में यह पहला मौका है जब भारत इस सम्मेलन में हिस्सा लेने नहीं जा रहा है।

कांग्रेस संचार विभाग के प्रमुख जयराम रमेश ने मंगलवार को यहां एक बयान में कहा कि अमेरिका और फ्रांस के राष्ट्रपतियों, ब्रिटेन, जापान, इटली और कनाडा के प्रधानमंत्रियों तथा जर्मनी के चांसलर का जी-7 शिखर सम्मेलन 15 जून से कनाडा में अल्बर्टा के कनानास्किस में हो रहा है।

इस शिखर सम्मेलन में ब्राजील, मैक्सिको, दक्षिण अफ्रीका और यूक्रेन के राष्ट्रपतियों और ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री को भी आमंत्रित किया गया है।

उन्होंने कहा कि 2014 से पहले जी-7 वाश्तव में कई वर्षों तक जी-8 ही रहा है क्योंकि इस समूह में तब रूस भी शामिल था। डॉ. मनमोहन सिंह को जी-8 शिखर सम्मेलनों के लिए आमंत्रित किया जाता था और इस सम्मेलन में उनकी आवाज़ सुनी जाती थी। जून 2007 में जर्मनी में ऐसे ही एक शिखर सम्मेलन हुआ जिसमें जलवायु परिवर्तन पर वार्ता के लिए प्रसिद्ध सिंह-मर्केल फॉर्मूले का अनावरण किया गया था।

कांग्रेस नेता ने कहा कि सम्मेलन में भारतीय प्रधानमंत्रियों को आमंत्रित करने की परंपरा थी और यह परंपरा 2014 के बाद भी जारी रही लेकिन हाल के छह वर्षों में पहली बार, कनाडा में हो रहे शिखर सम्मेलन में भारत उपस्थित नहीं हो रहा है।

इसके पीछे की कुछ भी कह लीजिए लेकिन सच यह है कि यह इस साल हमारी एक और बड़ी कूटनीतिक विफलता है।

हमारी सरकार ने पहले अमेरिका को भारत-पाकिश्तान के बीच मध्यस्थता करने की बात करने का मौका देकर दशकों पुरानी हमारी विदेश नीति को बदलने का काम हुआ है और इसी का परिणाम है कि अमेरिकी अधिकारियों को यह कहने की छूट मिल गई कि वे खुलेआम किसी 'तटस्थ स्थल' पर बातचीत जारी रखने की अपील करें।

भारत ने पाक के 9 से अधिक ठिकानों को पहुंचाया नुकसान, डोजियर में कबूलनामा

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में भारतीय सेना ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के जरिए पाकिश्तान और पीओके में 9 आतंकियों के ठिकाने को ध्वश्त किया था। इसी बीच पाकिश्तान डोजियर ने भारत के हमले में हुए नुकसान को लेकर बड़ा कबूलनामा किया है।

पाकिश्तान के ऑपरेशन 'बुनयान उन मार्सोस' पर आधिकारिक डोजियर में बताया गया है कि भारत ने कम से कम आठ अतिरिक्त ठिकानों पर हवाई हमला किया है। जिनका खुलासा भारत की तरफ से पहले नहीं किया गया था।

पाकिश्तानी डोजियर के सैटेलाइट इमेज में पेशावर, झंग, सिंध में हैदराबाद, पंजाब में गुजरात, गुजरांवाला, बहावलनगर, अटक और छोर जैसे प्रमुख शहर है, जिसमें तबाही का जिक्र किया गया है। आपको बता दें कि भारतीय वायु सेना या सैन्य संचालन महानिदेशक ने अपनी प्रेस ब्रीफिंग में पाकिश्तान और पीओके में 9 आतंकी ठिकानों को ध्वश्त करने की सार्वजनिक रूप से जानकारी दी थी।

यह डोजियर 'ऑपरेशन सिंदूर' के द्वारा पाकिश्तान को हुए नुकसान को लेकर बड़ी जानकारी देता है और इसे पाकिश्तान की ओर से सीजफायर के लिए तत्काल आह्वान के पीछे एक महत्वपूर्ण कारक के रूप में देखा जा रहा है। 22 अप्रैल को पहलगाम में आंतकियों ने 26 पर्यटकों को गोली मारकर हत्या कर दी थी। जिसके बाद भारतीय सेना ने 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर के जरिए पाकिश्तान और पीओके में 9 आतंकी ठिकानों को ध्वश्त किया था।

चौकी में हुई शांति समिति की बैठक नगर की शांति को पलीता लगाने वालों से सख्ती से निबटेगी पुलिस

✷ **एनसीआर टुडे. झालू** ✷ । हल्दौर थाना S S I विजेंद्र सिंह राठी इंचार्ज की अध्यक्षता में चौकी के प्रांगण में ईद को लेकर शांति समिति की बैठक शाम 6:00 बजे से हुई। नगर के गणमान्य व्यक्तियों के साथ धर्मगुरु मौलाना भी मीटिंग में उपस्थित रहे। बैठक का संचालन चौकी इंचार्ज सुभाष राणा ने किया। नगर पंचायत अध्यक्ष लोकेंद्र चौधरी ने सभी को ईद की शुभकामनाएं दी।साथ ही सभी से आग्रह भी किया कि कुर्बानी के बाद बचे हुए अवशेष बाहर सड़क पर ना डालें। नगर पंचायत के वहां पहुंचने का इंतजार करें। उन्होंने कहा की कुर्बानी का समय सभी का एक होता है। मगर नगर पंचायत का वहां पहुंचने में कुछ देरी हो सकती है। सुभाष राणा ने कहा कि कोई भी व्यक्ति किसी की भावनाओं को ठेस ना पहुंचाएं। कुर्बानी पर्दा में ही करें प्रतिबंधित पशु की कुर्बानी ना करें। एक दूसरे का ख्याल रखें अवशेष सड़क पर ना डालें अगर कोई कानून के खिलाफ कार्य करेगा तो पुलिस प्रशासन उससे सख्ती के साथ निबटेगा।सुभाष राणा ने शान्ति समिति की बैठक में नगर की शान्ति को पलीता लगाने की किसी भी कोशिश का मुंहतोड़ जवाब दिए जाने की सख्त चेतावनी दी।

वन निगम में चल रहे भ्रष्टाचार को लेकर भाकियू सरपंच ने खोला मोर्चा

✷ **एनसीआर टुडे. बिजनौर** ✷। भारतीय किसान यूनियन सरपंच के युवा जिला अध्यक्ष ठाकुर अरुण कुमार के नेतृत्व में आज एक प्रतिनिधिमंडल ने जिलाधिकारी बिजनौर को एक ज्ञापन सौंपकर वन निगम में चल रहे भ्रष्टाचार और फर्जी मार्कशीट के आधार पर प्रमोशन व नौकरी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि ग्राम पंचायत मिर्जापुर उर्फ प्रीतमगढ़ की आबादी के बीच भारी गंदगी फैली हुई है।, जिससे स्थानीय लोगों को गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। संगठन ने प्रीतमगढ़ को एनएच-34 से जोड़ने की भी मांग रखी। जिससे आवागमन सुगम हो सके और विकास कार्यों को गति मिल सके। इस मौके पर राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष चौधरी विशाल बालियान, राष्ट्रीय कार्यालय प्रभारी कपिल देशवाल, युवा प्रदेश अध्यक्ष लवी चौधरी, नगीना युवा तहसील अध्यक्ष अमित देशवाल, जिला कोषाध्यक्ष परम देशवाल, नजीबाबाद युवा तहसील अध्यक्ष मलखान धीमान, चांदपुर ब्लॉक अध्यक्ष मनीष अग्रवाल सहित अन्य कार्यकर्ता भी मौजूद रहे। संगठन के पदाधिकारियों ने कहा कि यदि प्रशासन ने जल्द कोई कार्रवाई नहीं की, तो यूनियन जनआंदोलन के लिए बाध्य होगी।

वसीम अंसारी को बनाया गया किसान यूनियन का नगर अध्यक्ष

✷ **एनसीआर टुडे. धामपुर** ✷। अन्नदाता किसान यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष अल्पसंख्यक आलमगीर उस्मानी की संतुति पर जिला अध्यक्ष युवा अनस अंसारी ने वसीम अंसारी को धामपुर जिला बिजनौर का नगर अध्यक्ष मनोनीत किया। आशा व्यक्ति की ही वसीम अंसारी किसानों की समस्या को उठाएंगे और उनकी मदद करेंगे वसीम अंसारी ने किसान यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष आलमगीर उस्मानी का बहुत-बहुत शुक्रिया अदा किया और कहा कि उन्होंने मुझे इस काबिल समझा के मुझे किसान यूनियन अन्नदाता का नगर अध्यक्ष मनोनीत किया किसान यूनियन के नगर अध्यक्ष मोहम्मद वसीम अंसारी ने सभी किसान यूनियन अन्नदाता के सभी कार्यकर्ताओं का शुक्रिया अदा किया और भरोसा दिलाया के उन्होंने जिसपद पर मनोनीत किया है मैं अपनी जान माल लगाकर किसान यूनियन अन्नदाता के कार्यकर्ताओं का सम्मान करुंगा इस मौके पर प्रदेश अध्यक्ष अन्नदाता किसान यूनियन आलमगीर उस्मानी आफताब मलिक नईम मंसूरी हरेराम सिंह सरदार गुरपेश प्रभारी शीशराम सिंह मोहम्मद आमिर सलीम मेडिकल वाले हरि सिंह आदि उपस्थित रहे

स्वास्थ्य संरक्षण केंद्र का शुभारंभ

✷ **एनसीआर टुडे. ग्रेटर नोएडा** ✷। सेक्टर-12 में स्थित सूर्या संस्थान परिसर में पीएचडी फैमिली वेलफेयर फाउंडेशन के सहयोग से स्थापित हुए स्वास्थ्य संरक्षण केन्द्र का शुभारंभ सांसद और पूर्व केन्द्रीय राज्य मंत्री डॉ. महेश शर्मा ने किया। यहां पर अल्प आय वर्ग के नागरिकों को फिजिशियन, दंत चिकित्सा, नेत्र चिकित्सा एवं अस्थि चिकित्सा का निशुल्क उपचार मिलेगा। इसमें सूर्या संस्थान का भी सहयोग रहेगा। सांसद ने इसके लिए संस्था को बधाई दी। इस केन्द्र के खुलने से लोगों को इसका खासा लाभ मिलेगा। कार्यक्रम के दौरान फाउंडेशन की अध्यक्ष अनुराधा गौतम, सूर्या संस्थान संस्था के अध्यक्ष पद्मश्री शीला झुनझुनवाला, वरिष्ठ उपाध्यक्ष, डा. दया प्रकाष सिन्हा, उपाध्यक्ष, डॉ. रामशरण गौड़, मंत्री देवेन्द्र मितल, कोषाध्यक्ष गोपाल कृष्ण अग्रवाल आदि उपस्थित रहे।

टॉयलेट खुद साफ करें गुरुकुल स्कूलों के छात्र, आईएएस अधिकारी के निर्देश पर बवाल

हैदराबाद, एजेंसी।
तेलंगाना में एससी गुरुकुल स्कूलों के छात्रों के खिलाफ कथित आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग ने इस मुद्दे पर संज्ञान लेते हुए राज्य के मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक को नोटिस जारी किया है। आयोग ने आईएएस अधिकारी डॉ. वी एस आलागु वर्षिणी के खिलाफ की गई शिकायत पर 15 दिनों के भीतर कार्रवाई रिपोर्ट मांगी है।

तेलंगाना सोशल वेलफेयर रेसिडेंशियल एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन्स सोसायटी की सचिव डॉ. आलागु वर्षिणी एक ऑडियो क्लिप को लेकर विवादों में घिर गई हैं। इस वायरल क्लिप में उन्होंने निर्देश दिया कि गुरुकुल स्कूलों के छात्रों से शौचालय और हॉस्टल के कमरे साफ करवाए जाएं। यह घटना करीब एक सप्ताह पुरानी बताई जा रही है।

ऑडियो में वह कहती हैं, उन्हें (छात्रों को) कमरे की सफाई करनी चाहिए ... वे अपने शौचालयों की सफाई क्यों नहीं कर सकते ... ये छात्र

पॉश परिवारों से नहीं हैं, जहां जैसे ही वे जाते हैं और बैठते हैं, भोजन मेज पर आ जाता है। उन्होंने यह भी कहा कि छात्रों को आत्मनिर्भर बनाना जरूरी है, क्योंकि स्कूल छोड़ने के बाद उन्हें अपने दैनिक कार्य स्वयं करने होंगे।

इस बयान पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के नेता और टीजीएसडब्ल्यूआरईआईएस के पूर्व सचिव डॉ. आर. एस. प्रवीन कुमार ने मुख्यमंत्री से पूछा, क्या आपके बच्चे भी उस स्कूल में बाथरूम धोते हैं जहां वे पढ़ते हैं? उन्होंने आरोप लगाया कि यह आदेश दलित छात्रों के प्रति भेदभावपूर्ण है और उन्होंने अधिकारी को बर्खास्त करने की मांग की।

बीआरएस की एमएलसी और पूर्व सांसद कलवकुंतला कविता ने एक्स पर ऑडियो क्लिप शेयर करते हुए कांग्रेस सरकार पर हमला बोला। उन्होंने लिखा, कांग्रेस सरकार का गरीब विरोधी रवैया इस अधिकारी के व्यवहार में साफ दिखता है। उन्होंने आरोप लगाया कि बीआरएस शासन के दौरान प्रत्येक स्कूल को सफाई कर्मचारियों की अस्थायी नियुक्ति के लिए 40,000 रुपये प्रति माह दिए जाते थे, जिसे कांग्रेस सरकार ने मई से बंद कर दिया है। कविता ने यह भी कहा कि राज्य की 240 गुरुकुल स्कूलों से सहायक वार्डन हटा दिए गए हैं, जिससे छात्रों को ही रसोई और साफ-सफाई का जिम्मा उठाना पड़ रहा है। उन्होंने इसे बच्चों के अधिकारों और सम्मान के खिलाफ बताया और कहा कि यह रवैया जातिगत भेदभाव और शोषण को बढ़ावा देता है।

विवाद बढ़ने के बाद एक अन्य ऑडियो में आईएएस अधिकारी वर्षिणी ने मीडिया से अपील की कि उनके बयान को राजनीतिक रंग न दिया जाए और संदर्भ से बाहर न निकाला जाए। उन्होंने कहा कि सफाई कर्मियों की कमी का आरोप निराधार है। वर्षिणी ने कहा, घर में माता-पिता की मदद करना बच्चों की सामान्य दिनचर्या का हिस्सा है, इससे उनमें आत्मनिर्भरता आती है। उन्होंने आगे कहा, अगर आप विदेश जाएं या किसी अन्य राज्य में पढ़ाई करें, तो अपने काम खुद करना पड़ता है- जैसे कि कमरा साफ करना, कपड़े धोना, बाथरूम साफ करना। बच्चों के लिए यह बदलाव एक प्रक्रिया है और इसे अपनाने में समय लगता है।

मैरिज ब्यूरो चलाने वाली का लूट कांड, पति की दूसरे से करा दी शादी, 7 लाख लूटे

रायपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में एक अजीबों गरीब मामला सामने आया है। मैरिज ब्यूरो चलाने वाली महिला ने अपने ही पति की दूसरी युवती से शादी करवा दी। महिला ने युवती को पति की प्रोफाइल भेज कर उसे सरकारी टीचर बताया। युवती को रिश्ता पसंद आया और उसने युवक से शादी कर ली। शादी के बाद पीड़िता से लगभग 7 लाख रूपये लेकर आरोपी पति अपनी पहली पत्नी के साथ फरार हो गया था।

मैरिज ब्यूरो की आड़ में अपने ही पति का सौदा कर लाखों की ठगी करने वाली सतनाम मैरिज ब्यूरो संचालिका समेत आरोपी पति को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पीड़िता की शिकायत के बाद पुलिस ने 2 दिन के अंदर ठग दंपत्ति को ढूंढ निकला। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, जांजगीर-चांपा जिले के शिवरीनारायण की रहने वाली युवती ने जुलाई 2024 में एक मैरिज ब्यूरो में शादी के लिए रजिस्ट्रेशन कराया था। इस मैरिज ब्यूरो को चित्रा चलाती थी। शुरू में कुछ प्रोफाइल दिखाने के बाद जब कोई लड़का पसंद नहीं आया तो चित्रा ने युवती को अपने ही पति संजय चौधरी का प्रोफाइल भेज दिया। संजय को उसने सरकारी शिक्षक बता दिया।

संजय की पहले से शादीशुदा होने की बात से अनजान युवती को लड़के का प्रोफाइल पसंद आ गया और गिरौधपुरी धाम में संजय और युवती की शादी करा दी गई। शादी के बाद संजय अपनी नई नवेली पत्नी को हरियाणा के सिरसा ले गया, फिर दोनों बिलासपुर लौट आए और विनोबा नगर में किराए के मकान में रहने लगे। वहां उन्होंने ब्यूटी पार्लर खोला, लेकिन असली ड्रामा तो इसके बाद शुरू हुआ।

संजय ने बीमारी और अन्य निजी समस्याओं का हवाला देकर अपनी नई पत्नी से धीरे-धीरे 7 लाख रुपये ले लिए और उन पैसों से एक कार भी खरीद ली, लेकिन कुछ समय बाद संजय अचानक गायब हो गया। पति के गायब होने से परेशान पत्नी ने तलाश शुरू की। महिला को पता चला कि चित्रा कोई और नहीं, बल्कि संजय की पत्नी है और दोनों ने मिलकर उसके साथ धोखा किया है।

हमने सभी महिला आवेदकों को वित्तीय लाभ देकर गलती की: अजित पवार

मुंबई, एजेंसी।
महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता अजित पवार ने सोमवार को माना कि पिछले साल शुरू हुई लाडकी बहिन योजना के तहत वित्तीय सहायता का भुगतान सभी महिला आवेदकों को कर बड़ी चूक हुई है। पवार ने कहा कि जांच के माध्यम से इस गलती को ठीक किया जाएगा, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि केवल वास्तविक लाभार्थियों को ही सहायता प्राप्त हो। उन्होंने इस चूक के लिए जल्दबाजी में योजना के क्रियान्वयन को जिम्मेदार ठहराया। लाडकी बहिन योजना की घोषणा पिछले साल नवंबर में हुए राज्य विधानसभा चुनाव से कुछ महीने पहले की गई थी।

वित्त मंत्रालय का कार्यभार संभाल रहे पवार ने बारामती में संवाददाताओं से कहा, हमने सभी महिला आवेदकों को वित्तीय लाभ देकर गलती की। हमारे पास आवेदनों की जांच करने और अयोग्य लोगों की पहचान करने के लिए बहुत कम समय था। उस समय, दो से तीन महीने में चुनावों की घोषणा होनी थी। हालांकि, उन्होंने कहा कि महिलाओं के बैंक खातों में जमा धनराशि वापस नहीं ली जाएगी। पवार ने कहा, जब इस योजना की शुरुआत की गई थी, तो सरकार ने अपील की थी कि केवल पात्र

महिलाएं ही आवेदन करें, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। इसकी जांच की जा रही है। केवल जरूरतमंद महिलाओं को ही मासिक सहायता राशि मिलेगी। अजित पवार के इस गलती की बात स्वीकार करने के बाद शिवसेना (उबाठा) सांसद संजय राउत ने उनके इस्तीफे की मांग की है। राउत ने आरोप लगाया कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के नेता पवार के नेतृत्व वाले वित्त विभाग ने वोटों की खातिर सरकारी धन की लूट को बढ़ावा दिया।

मुख्यमंत्री माजी लाडकी बहिन योजना 17 अगस्त 2024 को शुरू की गई थी, जिसका लक्ष्य 21 से 65 साल की आयु की उन महिलाओं को सहायता प्रदान करना है, जिनकी अधिकतम वार्षिक आय 2.5 लाख रुपये से कम है। आवेदकों को सितंबर महीने से लाभ मिलना शुरू हो गया था।

चीन ब्रह्मपुत्र का पानी भारत की तरफ रोक दे तो? यह पूरी तरह से एक काल्पनिक और तथ्यहीन नैरेटिव है: हिमंत विश्व शर्मा

गुवाहाटी, एजेंसी।
असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने पाकिस्तान द्वारा ब्रह्मपुत्र नदी के पानी को लेकर फैलाए जा रहे भय को खारिज करते हुए तथ्यों के साथ करारा जवाब दिया है। शर्मा ने स्पष्ट किया कि ब्रह्मपुत्र भारत में बढ़ती है, घटती नहीं और चीन द्वारा इसके प्रवाह को रोकने की आशंका बेबुनियाद है। मुख्यमंत्री का यह बयान पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के सलाहकार राणा एहसान अफजल के उस बयान के बाद आया, जिसमें उन्होंने कहा था कि अगर भारत पाकिस्तान के साथ सिंधु जल संधि को निलंबित करता है, तो चीन भी भारत के लिए ब्रहमपुत्र का पानी रोक सकता है।

अफजल ने जियो न्यूज को दिए एक इंटरव्यू में कहा, अगर भारत पाकिस्तान की तरफ पानी रोकने जैसा कदम उठाता है, तो चीन भी यही कर सकता है। लेकिन अगर ऐसा होने लगा, तो पूरी दुनिया युद्ध की स्थिति में आ

जाएगी। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए शर्मा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, भारत द्वारा सिंधु जल संधि से निर्णायक रूप से हटने के बाद, पाकिस्तान अब एक नया काल्पनिक डर गढ़ रहा है- 'अगर चीन ब्रह्मपुत्र का पानी भारत की तरफ रोक दे तो?' यह पूरी तरह से एक काल्पनिक और तथ्यहीन नैरेटिव है। मुख्यमंत्री ने भौगोलिक और जलविज्ञान से जुड़े तथ्यों का हवाला देते हुए कहा कि ब्रह्मपुत्र के कुल जलप्रवाह का केवल 30-35प्रतिशत हिस्सा चीन के तिब्बत क्षेत्र से आता है, वो भी मुख्यतः ग्लेशियर के पिघलने और सीमित वर्षा के कारण। उन्होंने बताया कि इस नदी की 65-70प्रतिशत जलधारा भारत में उत्पन्न होती है, जिसमें पूर्वोत्तर भारत के राज्यों - अरुणाचल प्रदेश, असम, नागालैंड और मेघालय - में होने वाली मूसलधार मॉनसूनी वर्षा और इसकी कई सहायक नदियां मुख्य भूमिका निभाती हैं। सीएम ने कहा, ब्रह्मपुत्र की शक्ति भारत में प्रवेश के बाद ही बढ़ती है। इंडो-चीन बॉर्डर (तूतिंग) पर इसका प्रवाह मात्र 2,000-3,000 घन मीटर/सेकंड होता है, जबकि असम के मैदानी इलाकों (जैसे गुवाहाटी) में मॉनसून के दौरान यह बढ़कर 15,000-20,000 घन मीटर/सेकंड तक पहुंच जाता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर चीन वाकई ब्रह्मपुत्र का प्रवाह कुछ कम भी कर दे तो इससे भारत को फायदा ही हो सकता है, खासकर असम में हर साल आने वाली बाढ़ को लेकर। बता दें कि चीन ने अभी तक कभी किसी मंच पर ब्रह्मपुत्र को लेकर कोई बयान नहीं दिया है। असम सीएम ने आगे कहा, हर साल असम में लाखों लोग बाढ़ से बेघर होते हैं और आजीविका प्रभावित होती है। अगर चीन थोड़ी बहुत जलधारा रोके भी (जो कि न के बराबर संभावना है), तो यह भारत के लिए बाढ़ नियंत्रण में सहायक हो सकता है। हिमंत ने पाकिस्तान को यह भी याद दिलाया कि सिंधु जल संधि के तहत उसे 74 वर्षों तक भारत के पानी पर प्राथमिकता मिलती रही है, और अब जब भारत ने अपने संप्रभु अधिकारों की पुनः प्राप्ति की ओर कदम बढ़ाया है।

विधानसभा उपचुनाव में भाजपा नहीं चाहती कोई रिस्क!

जयपुर, एजेंसी।
आगामी विधानसभा उपचुनावों को ध्यान में रखते हुए भारतीय जनता पार्टी जून महीने में राजस्थान में पांच बड़े जनसंपर्क अभियान चलाकर संगठन को चुनावी मोड में लाने की तैयारी में है। सोमवार को प्रदेश भाजपा कार्यालय में आयोजित कार्यशाला में इन अभियानों की रूपरेखा तय की गई। पार्टी की रणनीति साफ है—संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत बनाना और कार्यकर्ताओं के अनुभव को सत्ता संचालन में शामिल करना।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कार्यशाला को संबोधित करते हुए साफ निर्देश दिए कि 15 जून तक सभी जिलाध्यक्ष अपने-अपने जिलों में मंडल समितियों का गठन कर लें। उन्होंने चेतावनी दी कि समिति गठन में गुटबाजी या व्यक्तिगत हितों को तरजीह नहीं दी जाएगी। राठौड़ ने कहा, मंडल अध्यक्षों को जिलाध्यक्षों, जनप्रतिनिधियों और अपने विवेक से समितियों का निर्माण करना होगा। सशक्त मंडल समितियां ही पार्टी की रीढ़ हैं, और यही संगठन को मजबूती देंगी जो राज्य की सत्ता में पुनर्वापसी की राह आसान करेंगी।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाते हुए कहा कि सभी की अपेक्षाएं एकसाथ पूरी नहीं हो सकतीं, लेकिन संगठन हर कार्यकर्ता के योगदान को संज्ञान में

ले रहा है। उन्होंने कहा, अब जबकि हमारी सरकार है, तो कार्यकर्ताओं के अनुभव को योजनाओं के क्रियान्वयन में शामिल करना हमारी जिम्मेदारी है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि भाजपा जून महीने में प्रदेशभर में पांच अभियान चलाएगी। इन अभियानों का उद्देश्य न केवल सरकार की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाना है, बल्कि कार्यकर्ताओं को सक्रिय भूमिका में लाकर संगठन को बूथ स्तर तक सशक्त करना है। वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान (5 जून से) - इस अभियान में जल संरक्षण को लेकर जनजागरूकता और श्रमदान कार्यक्रम आयोजित होंगे। संकल्प से सिद्धि तक (9 से 21 जून) - मोदी सरकार के 11 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में केंद्र की योजनाओं का प्रचार-प्रसार किया जाएगा। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस (21 जून) - प्रदेश भर में योग कार्यक्रम आयोजित कर स्वास्थ्य और संस्कृति को जोड़ने का प्रयास होगा। श्यामा प्रसाद मुखर्जी बलिदान दिवस (23 जून) - पार्टी के वैचारिक आधार को सशक्त करने और कार्यकर्ताओं को प्रेरित करने पर जोर रहेगा। आपातकाल की बरसी पर जन जागरूकता अभियान - कांग्रेस शासनकाल की आलोचना करते हुए आपातकाल के दौर की याद दिलाई जाएगी। भाजपा के इन अभियानों को केवल सामाजिक सरोकारों तक सीमित न मानकर राजनीतिक रणनीति के हिस्से के रूप में देखा जा रहा है। संगठनात्मक कार्यशालाओं और अभियानों के जरिये भाजपा अपनी जमीनी पकड़ मजबूत करना चाहती है।

केंद्रीय गृह सचिव ने मणिपुर के राज्यपाल से सीमा पर बाड़ लगाने, कानून व्यवस्था के मुद्दे पर चर्चा की

इंफाल, एजेंसी।
केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन के नेतृत्व में एक उच्च स्तरीय केंद्रीय दल ने सोमवार को मणिपुर के चुराचांदपुर जिले में दो राहत शिविरों का दौरा किया। मणिपुर गृह विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि चुराचांदपुर जिले के वेंग में असम राइफल्स के हेलीपैड पर उतरने के बाद केंद्रीय दल न्यू लामका के डोरकास वेंग में एक राहत केंद्र गया, जहां गृह सचिव ने बच्चों के लिए एक क्रेच सुविधा और महिलाओं के लिए सिलाई कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इन दोनों कार्यक्रमों का उद्देश्य महिलाओं और बच्चों को सहायता और सशक्त बनाना है।

बयान में कहा गया है कि केंद्रीय गृह सचिव और मणिपुर के राज्यपाल के बीच सोमवार को बैठक हुई जिसमें आसूचना ब्यूरो (आईबी) के निदेशक तपन कुमार डेका, मणिपुर के मुख्य सचिव, मणिपुर सरकार के सुरक्षा सलाहकार और वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

बयान में कहा गया है, ''बैठक में आंतरिक रूप से विस्थापित व्यक्तियों (आईडीपी) के लिए राहत एवं पुनर्वास प्रयासों, सीमा पर बाड़ लगाने और समग्र

कानून व्यवस्था की स्थिति सहित राज्य से संबंधित प्रमुख मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया गया।'' बयान के अनुसार, बैठक के दौरान पर्वतीय क्षेत्रों एवं घाटी दोनों में आईडीपी के लिए जारी राहत उपायों की समीक्षा की गई और विस्थापित व्यक्तियों को प्रदान की जा रही वर्तमान सुविधाओं, पुनर्वास प्रयासों की स्थिति और उनके स्थायी पुनर्वास के लिए दीर्घकालिक योजना का विस्तृत मूल्यांकन किया गया।

बैठक में भारत-म्यांमा सीमा पर बाड़ लगाने के कार्य में प्रगति और राज्य में कानून व्यवस्था की स्थिति पर भी विचार-विमर्श किया गया। इससे पहले सोमवार को केंद्रीय गृह सचिव और आईबी निदेशक के नेतृत्व में केंद्रीय टीम ने चुराचांदपुर में दो राहत शिविरों में आंतरिक रूप से विस्थापित व्यक्तियों से बातचीत की और दोनों शिविरों की स्थिति का निरीक्षण किया।

ओल्ड गुरुग्राम मेट्रो को सिकंदरपुर से जोड़ना क्यों संभव नहीं, कहां फंस रहा पेंच?

गुरुग्राम , एजेंसी।
हरियाणा मास रैपिड ट्रांसपोर्ट कार्पोरेशन (एचएमआरटीसी) ने ओल्ड गुरुग्राम में प्रस्तावित मेट्रो को दिल्ली मेट्रो रेल लिमिटेड (डीएमआरसी) के सिकंदरपुर मेट्रो स्टेशन से सीधे जोड़ने की योजना को सर्वे में संभव नहीं पाया। इसको लेकर मुख्य सचिव की अध्यक्षता में आयोजित एचएमआरटीसी बोर्ड की बैठक में इस योजना को रद्द कर दिया है।

परिवहन विभाग के तत्कालीन अतिरिक्त मुख्य सचिव अशोक खेमका एचएमआरटीसी के निदेशक भी थे। अप्रैल माह में एचएमआरटीसी बोर्ड की बैठक में खेमका ने पक्ष रखा था कि ओल्ड गुरुग्राम में प्रस्तावित मेट्रो स्टेशन को सिकंदरपुर मेट्रो स्टेशन से

जोड़ने की संभावनाओं को तलाशा जाए। सिकंदरपूर में डीएमआरसी की येलो मेट्रो और रैपिड मेट्रो के स्टेशन हैं। इसके पीछे उन्होंने कारण बताया था कि सिकंदरपूर मेट्रो स्टेशन के आसपास व्यावसायिक गतिविधियों का एक हब है। इसके बाद एचएमआरटीसी ने एक एजेंसी के माध्यम से ओल्ड गुरुग्राम में प्रस्तावित मेट्रो को सिकंदरपुर मेट्रो से जोड़ने की योजना को लेकर सर्वे करवाया। एजेंसी ने चार रूट का सर्वे करके रिपोर्ट दाखिल की। इसके मुताबिक पहले रूट के तहत ओल्ड गुरुग्राम मेट्रो को रैपिड मेट्रो के सामांतर चलाकर सिकंदरपुर मेट्रो से जोड़ा जाए, जिसकी लंबाई करीब 2.3 किमी होगी। दूसरे रूट के तहत मिलेनियम सिटी सेंटर मेट्रो स्टेशन को एमजी रोड के माध्यम से यदि सिकंदरपुर से जोड़ा जा सकता है। इसमें 4.40 किमी लंबी लाइन बिछानी होगी। तीसरे रूट के तहत मिलेनियम सिटी सेंटर को व्यापार केंद्र रोड के माध्यम से सिकंदरपुर से जोड़ा जा सकता है। इसके लिए 4.21 किमी लंबी मेट्रो लाइन बिछानी होगी। यह लाइन रैपिड मेट्रो के साथ-साथ करीब दो किलोमीटर चलेगी। इस तरह चौथे रूट के तहत मिलेनियम सिटी सेंटर मेट्रो स्टेशन से हेमिल्टन कोर्ट होते हुए यदि मेट्रो लाइन बिछाई जाए तो इसकी लंबाई करीब 4.63 किमी होगी। ये डीएमआरसी की येलो लाइन मेट्रो के साथ-साथ करीब एक किमी तो रैपिड मेट्रो के साथ-साथ डेढ़ किमी तक चलेगी।

गत 14 मई को हरियाणा के मुख्य सचिव की अध्यक्षता में एचएमआरटीसी की बैठक हुई। इसमें इस सर्वे रिपोर्ट को रखा गया। बातचीत के बाद फैसला हुआ कि सिकंदरपुर मेट्रो स्टेशन से ओल्ड गुरुग्राम मेट्रो को जोड़ना संभव नहीं है। मेट्रो लाइन सामनांतर दूसरी मेट्रो लाइन के साथ-साथ चलेगी। यह आर्थिक रूप से सही नहीं है।

मौजूदा समय में डीएमआरसी की येलो लाइन में आ रहे सिकंदरपुर मेट्रो स्टेशन से रैपिड मेट्रो का स्टेशन फुट ओवर ब्रिज (एफओबी) के माध्यम से जुड़ा हुआ है। ओल्ड गुरुग्राम मेट्रो के तहत अंतिम स्टेशन डीएलएफ साइबर सिटी में बनना है। साइबर सिटी से रैपिड मेट्रो के माध्यम से सिकंदरपुर जाया जा सकता है या मिलेनियम सिटी सेंटर मेट्रो स्टेशन से कोई यात्री सिकंदरपुर मेट्रो स्टेशन उतर सकता है। ओल्ड गुरुग्राम मेट्रो के तहत पहले चरण का टेंडर इस माह में आवंटित हो जाएगा।

डेबिट कार्ड बदलकर 40 हजार रुपये निकाले

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। मुरादनगर की मलिक नगर कॉलोनी निवासी महिला शायदा ने बताया कि वह सोमवार को एटीएम से रकम निकालने गई थीं। जिस समय रकम निकाल रही थीं तो एक युवक आया। आरोप है युवक ने उन्हें बातों में उलझाकर डेबिट कार्ड बदल लिया। जब वह घर पहुंची तो मोबाइल पर खाते से 40 हजार रुपये कटने का मैसेज आ गया। इस पर महिला ने डेबिट कार्ड देखा तो वह बदला हुआ था। पीड़िता ने थाने में तहरीर दी है। सीओ ने बताया कि मुतबाकि मामले में रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है।

घर में घुसकर पिता, पुत्र, भाई और भतीजी के साथ मारपीट

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। लोनी बार्डर थाना क्षेत्र की राजीव गार्डन कॉलोनी में रविवार शाम कॉलोनी में रहने वाले व्यक्ति ने परिजनों के साथ घुसकर पड़ोस में रहने वाले पिता, पुत्र, भाई व भतीजी के साथ मारपीट की। पीड़ति की शिकायत पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है। राजीव गार्डन कॉलोनी में नानक परिवार के साथ रहते हैं। उन्होंने बताया कि कुछ दिन पूर्व कॉलोनी में रहने वाले चंद्रपाल से किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई थी। आरोप है कि रविवार को चंद्रपाल अपने चार बेटों रोहित, राबीन, प्रिंस, प्रवीन भतीजे नीरज, दीपांशु और साले कुक्कू के साथ उनके घर पहुंचा। इन सबने मिलकर नानक, उनके पिता रूप सिंह, भाई सतीश व भतीजी आंचल के साथ लाठी डंडों से मारपीट की। जिससे उन्हें सिर व पैर में गंभीर चोट आई। शोर मचाने पर आसपास के लोगों को एकत्र होता देख हमलावर जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गये। घायलों का उपचार दिल्ली के जीटीबी अस्पताल में हुआ। अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद उन्होंने आरोपियों के खिलाफ शिकायत दी। शिकायत पर पुलिस ने आठ लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है।

प्रॉपर्टी डीलर पर हथियार से हमला

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। लोनी थाना क्षेत्र की मुश्तफाबाद कालोनी में दो लोगों ने एक प्रॉपर्टी डीलर पर धारदार हथियार से हमला कर घायल कर दिया। 30 मई की घटना में सोमवार को पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है। शहनाज मुश्तफाबाद कालोनी में परिवार के साथ रहती है। उनका पुत्र साहिद कालोनी में प्रॉपर्टी डीलर का कार्य करते है। आरोप है कि शुक्रवार रात करीब नौ बजे बेटा कालोनी स्थित चांद मस्जिद से सरकारी स्कूल की ओर जा रहा था। इस दौरान नासीर व इरफान ने उस पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। बेटा घायल होने के बाद नीचे जमीन पर गिर पड़ा। आस पास लोगों को एकत्र होता देख दोनों मौके से फरार हो गये। मामले की जानकारी मिलने पर वह मौके पर पहुंची और घायल बेटे को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। बाद में उन्होंने मामले की शिकायत पुलिस को दी। सीओ लोनी सिद्धार्थ गौतम ने बताया कि घायल की मां के शिकायत पर दो आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है।

युवती के साथ छेड़छाड़ और मारपीट का आरोप लगाया

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। मोदीनगर के भोजपुर थाना क्षेत्र के एक गांव में दलित युवती के साथ छेड़छाड़ और मारपीट का मामला सामने आया है। पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी की तलाश में जुटी है। गांव निवासी पीड़िता का कहना है कि वह किसी काम से बाजार जा रही थी। आरोप है कि राश्ते में गांव में रहने वाला मुकेश उर्फ मूले ने उसका हाथ पकड़ लिया और अश्लील हरकत करने लगा। विरोध पर मारपीट की गई। किसी युवती ने घर पहुंचकर परिजनों को घटना की जानकारी दी। पीड़िता का कहना है कि वह अपने भाई के साथ आरोपी के घर शिकायत करने जा रही थी। इस बीच राश्ते में आरोपी मुकेश मिल गया। युवती और उसके भाई को देखकर आरोपी तालाब में कूद गया, जिस कारण वह चोटिल हो गया। पुलिस ने मुकेश उर्फ मूले के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। आरोपी पक्ष का थाने, तहसील पर प्रदर्शन मामले को लेकर आरोपी पक्ष के सैकड़ों लोगों ने सोमवार रात को भोजपुर थाने और मंगलवार सुबह मोदीनगर तहसील पर प्रदर्शन कर किया। उनका आरोप है कि पुलिस मामले में पक्षीय कार्रवाई कर रही है। आरोपी युवक को बंधक बनाकर बेरहमी से पीटा गया है।

फाइनेंस कंपनी पर गाड़ी चोरी कर दूसरे को बेचने का आरोप

✷ एनसीआर टुडे. ग्रेटर नोएडा ✷। लॉजिस्टिक कंपनी के निदेशक ने किश्त टूटने पर फाइनेंस कंपनी पर दो गाड़ियों को चोरी कर किसी दूसरे को बेचने का आरोप लगाया है। न्यायालय के आदेश पर पुलिस ने फाइनेंस कंपनी के मैनेजर समेत पांच के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। ग्रेटर नोएडा में लॉजिस्टिक कंपनी चलाने वाले निदेशक शैलेंद्र सिंह ने न्यायालय में शिकायत पत्र दिया था। निदेशक के मुताबिक कोरोना के समय में उनकी दो गाड़ियों की किश्त टूट गई। इस बीच फाइनेंस कंपनी ने रोहतक हरियाणा से उनकी दोनों गाड़ी चोरी कर ली। इसके बाद दोनों गाड़ियों को धोखाधड़ी कर किसी दूसरे व्यक्ति को बेच दिया। पीड़ति निदेशक पिछले काफी दिन से कंपनी से अपने वाहन वापस करने की गुहार लगा रहा है, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। पीड़ित द्वारा इसकी शिकायत पुलिस से भी की गई। पुलिस ने भी कोई मदद नहीं की, मजबूरन पीड़ित को कोर्ट का दरवाजा खटखटाना पड़ा। अब न्यायालय के आदेश पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है।

अवैध शराब संग तस्कर गिरफ्तार

✷ एनसीआर टुडे. ग्रेटर नोएडा ✷। फेज-1 थाने की पुलिस ने दुकानें बंद होने के बाद रात में शराब की तस्करी करने के आरोपी को सेक्टर-8 के पास से मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की पहचान जेजे कॉलोनी निवासी कन्नू उर्फ आजाद के रूप में हुई। उसके पास से भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब बरामद हुई। नोएडा के फेज-1 थाने में आरोपी के खिलाफ दो केस दर्ज होने की जानकारी मिली है। जिले के अन्य थानों से भी उसका आपराधिक इतिहास पता किया जा रहा है। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह दिन में शराब खरीदकर स्टॉक कर लेता है। रात में जब शराब की दुकानें बंद हो जाती हैं, तब स्टॉक की हुई शराब की आजाद तस्करी करता है। तीन गुना ज्यादा दाम लेकर आरोपी रात में शराब बेचता है।

करोड़ों की ठगी करने वालों के खिलाफ डीएम को ज्ञापन दिया

भूमाफियाओं की ठगी का शिकार लोग दर-दर की ठोकर खाने पर मजबूर

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर/नजीबाबाद ✷

मोटा महादेव मंदिर जटपुरा रोड नजीबाबाद में महादेवपुरम के नाम से काटी जा रही तीन कॉलोनीयां व आशियाना कॉलोनी कोतवाली देहात में प्लॉट दुकान लेने के नाम पर करोड़ों रूपये की ठगी के शिकार लोगों ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सोपा।

पीडितो ने कॉलोनाइजर आसिम जलाल, अभिषेक गुप्ता,शावेज़ इंतजार, कैफ आकाशी, अमजद, आदि के खिलाफ कार्यवाही की मांग की।

पीड़ितों ने बताया कि उपरोक्त कॉलोनाइजर कॉलोनी के लिए सब मिलकर जमीन खरीदते हैं। किसान से एग्रीमेंट सिर्फ एक या दो व्यक्ति कराते हैं। फिर जिसके नाम एग्रीमेंट नहीं होता अपने उन पार्टनर व पूरी टीम को कॉलोनी पर ठगी करने के लिए छोड़ देते हैं। वह टीम सीधे-साधे लोगों को सश्ती जमीन के नाम पर व कुछ दिनों में जमीन का पैसा डबल होने के नाम पर कॉलोनाइजरों से मुलाकात कराते हैं और बड़ी रकम लगवा देते हैं। जनपद में यह पहले ऐसे कॉलोनाइजर है जो कॉलोनी का बुकिंग कार्ड, एग्रीमेंट, के साथ-साथ रिटर्न चेक भी देते हैं। फिर जब करोड़ों रुपए लोगों का इकट्ठा हो जाता है तो सब पार्टनर मिलकर एग्रीमेंट करने वाले को भगा देते है।

उपरोक्त कॉलोनाइजरों ने शावेज को भगाने के बाद यह दर्शाने की कोशिश की कि हमारा उस से कोई संबंध नहीं था।

जबकि लोगों ने पैसे नकद व बैंक द्वारा सभी कॉलोनाइजरों को दे रखे है ओर आसिम जलाल ने क्षेत्रीयधिकारी नजीबाबाद के यहां लिखित बयान दिया है कि फरार शावेज़ ने करीब 4 करोड़ 63 लाख कुछ हजार रुपए मुझे दिए हैं।

मगर मैंने उसके बेनामे कर दिए जबकि आसिम ने शावेज़ के नाम एक भी बेनाना नहीं किया। जिनके नाम बेनाने किए कानूनी रूप से उन्होंने आसिम को पैसे दिए। पीड़ितों ने ज्ञापन में मांग करते हुए कहा कि उपरोक्त भूमाफियाओं के कहने पर वसूली करने वाले कैफ अकाशी, विशाल अग्रवाल, रिहान मकरानी, साजिद मामा, आदि को पुलिस हिरासत में ले पूछताछ करे। फरार शावेज़ सभी से फोन पर बात कर रहा है। मगर अभी तक पुलिस शावेज को पकड़ नहीं पाई। पीड़ितों के मामले के निश्तारण होने तक उपरोक्त मुलज़मिन द्वारा काटी जा रही अवैध कॉलोनियों में प्लॉट की खरीद फरोख्त पर रोक लगाई जाये।

सभी कॉलोनाइजरों के बैंक खातों की बारीकी के साथ जांच हो और अवैध कॉलोनियों पर बुलडोजर चले ओर पीड़ितों को जमीन या पैसे वापस दिलाए जाएं। डीएम ने सभी अवैध कॉलोनियों व लोगों के साथ पूरी ठगी के जांच के आदेश दिए हैं। इस मौके पर ओमपाल दीपक कुमार अनीस,मुख्तार सतीश इमरान, आनंद कुमार, चंद्रशेखर ललित शर्मा रेशमा, गुलशन, रीता शर्मा, आदि दर्जनों पीड़ित मौजूद थे।

रंजिशन किशोर की बुरी तरह मारपीट कर की हत्या- परिवार में मचा कोहराम

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷

पुरानी रंजिश के चलते 8वीं के छात्र की पीट-पीटकर बे रहमी से हत्या कर दी गई। लड़के के सीने और प्राइवेट पार्टी हमला किया गया।

जिससे युवक की तड़प तड़प कर दर्दनाक मौत हो गई। जिसकी खबर से परिजनों में कोहरा मचा हुआ है। बताया जा रहा है कि पड़ोसियों से, लंबे समय से रंजिश चल रही थी।

दरअसल यह दिल दहला देने वाला मामला थाना नजीबाबाद के ग्राम बौरीकी से सामने आया है। जहाँ एक किशोर की कथित रंजिश के चलते हत्या का मामला सामने आया है। मृतक की पहचान बरेकी गांव निवासी 16 वर्षीय फैसल पुत्र दिलशाद के रूप में हुई है। वह कक्षा 8वीं का छात्र था।

परिजनों के अनुसार, पड़ोस में रहने वाले कुछ लोगों ने पुरानी रंजिश के चलते फैसल के साथ मारपीट की। उन्होंने आरोप लगाया कि आरोपियों ने इतनी बुरी तरह पीटा कि मौके पर ही उसकी मौत हो गई।

पीड़ित परिवार ने पुलिस को तहरीर देकर आरोपियों के कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। तहरीर के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच शुरू कर दी गई है।

थार का कहर, युवक को रौंदा, गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती

✷एनसीआर टुडे. नोएडा ✷

सेक्टर-53 इलाके में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां एक हाई स्पीड थार ने एक युवक को जोरदार टक्कर मार दी।

घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में साफ तौर पर देखा जा सकता है कि किस तरह युवक को पहले पीटा गया, फिर उसे जान से मारने के लिए थार से रौंदने की कोशिश की गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह घटना थाना सेक्टर 24 क्षेत्र के अंतर्गत सेक्टर-53 की है। बताया गया कि कुछ युवकों के बीच पहले कहासुनी और मारपीट हुई, जिसके बाद हमलावर युवक ने थार गाड़ी को तेजी से युवक की ओर दौड़ाया और उसे जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदश्त थी कि युवक सड़क से उछलकर नाली में जा गिरा।

घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। स्थानीय लोगों ने तुरंत घायल युवक को अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका इलाज चल रहा है। युवक की हालत गंभीर बताई जा रही है। घटना का वीडियो सामने आने के बाद नोएडा पुलिस ने इसका संज्ञान लिया और तत्काल कार्रवाई करते हुए मामला दर्ज कर लिया है।

पुलिस ने बताया कि घटना में शामिल आरोपियों की पहचान की जा रही है और उनकी गिरफ्तारी के लिए एक विशेष टीम का गठन कर दिया गया है। अधिकारियों का कहना है कि वीडियो के आधार पर आरोपियों की पहचान में आसानी होगी और जल्द ही उन्हें हिरासत में लिया जाएगा।

पुलिस ने लोगों से अपील की है कि सोशल मीडिया पर वायरल हो रही अफवाहों पर ध्यान न दें और किसी भी प्रकार की जानकारी होने पर तुरंत पुलिस को सूचित करें।

एग्री आउटरीच केडिट कैम्प में 44.32 करोड़ के एग्री क्रेडिट के 464 ऋण आवेदन हुए स्वीकार

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷

पंजाब नैशनल बैंक, प्रधान कार्यालय, नई दिल्ली के निर्देशानुसार जनपद बिजनौर स्थित बैंक की समश्त शाखाओं में एग्री आउटरीच केडिट कैम्पस का आयोजन किया गया । इसी क्रम में पंजाब नैशनल बैंक की मण्डावर शाखा पर बैंक की मौ० पुर देवमल, गजरौला शिव, चन्दक और नांगल सोती शाखाओं द्वारा संयुक्त रूप से मेगा केडिट कैम्प का आयोजन किया गया।

इस कैम्प का उद्घाटन विशिष्ट अतिथि मौ० आसिफ खान, अध्यक्ष नगरपंचायत मण्डावर एवं मुख्य अतिथि अजीत कुमार पाण्डेय, मण्डल प्रमुख पंजाब नैशनल बैंक मण्डल कार्यालय, बिजनौर द्वारा किया गया।

मण्डावर शाखा पर आयोजित इस एग्री क्रेडिट कैम्प में सहभागिता कर रही बैंक की शाखाओं के प्रबन्धको द्वारा कृषि एवं कृषि की अनुषंगी ऋण योजनाओं के बारे में ग्राहकों को विश्तार से जानकारी दी गई।

एग्री आउटरीच केडिट कार्यकम के उद्देश्यों एवं उपयोगिता पर विश्तार से प्रकाश डालते हुए मुख्य अतिथि मण्डल प्रमुख, अजीत कुमार पाण्डेय ने कहा कि बिजनौर कृषि प्रधान जिला होने के कारण यहां कृषि एवं कृषि आधारित योजनाओं में ऋण की अपार सम्भावनाएं हैं। उन्होंने कृषकों एवं कृषि की सहायक गतिविधियों से जुड़े सभी पात्र व्यक्तियों से इन ऋण योजनाओं का अधिकाधिक लाभ उठाने की अपील की। उन्होंने उपस्थित बैंक प्रबन्धको से इन योजनाओं के अधिक से अधिक गुणवत्ता पूर्ण ऋण आवेदन एकत्र करने के निर्देश भी दिये।

एग्री ऋण योजनाओं हेतु आयोजित आज के एग्री आउटरीच केडिट कैम्प में 44.32 करोड़ के कुल 464 ऋण आवेदन स्वीकार किये गये।

कार्यकम में मण्डल कार्यालय से आये मुख्य प्रबन्धक श्री सोनू गोस्वामी वरिष्ठ प्रबन्धकगण श्रीमति अदिति चौहान, श्री राजीव रंजन, एवं नवीन कुमार, विकास कुमार, जसवीर सिंह, उदयवीर सिंह एवं गौरव सिंह आदि उपस्थित रहे। इस कार्यकम में बड़ी संख्या में ग्राहकों एवं आम नागरिकों ने एग्री ऋण योजनाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की।

निवेश के नाम पर इंजीनियर से 30 लाख ऐंठे

✷एनसीआर टुडे. नोएडा ✷

साइबर अपराधियों ने क्रिप्टो करेंसी में निवेश कर मोटा मुनाफा कमाने का झांसा देकर इंजीनियर से 30 लाख रुपये ठग लिए। पीड़ित की शिकायत पर साइबर क्राइम थाने की पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस को दी शिकायत में ग्रेटर नोएडा निवासी उपेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि वह सेक्टर-144 स्थित कंपनी में सीनियर कंसलटेंट इंजीनियर हैं। वह शेयर ट्रेडिंग भी करते हैं। उन्होंने सात दिसंबर 2023 को आदित्य नगेस्ट इन्वेस्टमेंट व्हाट्सएप ग्रुप ज्वॉइन किया। इसमें 200 सदस्य पहले से ही जुड़े थे। ग्रुप की बातचीत को पढ़कर उनको अहसास हुआ कि एडमिन क्रिप्टो करेंसी में निवेश कराता है और इस पर होने वाले मुनाफे की जानकारी रोजाना देता है। कई दिन तक उपेंद्र ग्रुप में होने वाली हर गतिविधि पर नजर रखे रहे। एकदिन ग्रुप के एडमिन ने उनसे भी क्रिप्टो करेंसी खरीदने और बेचने का कारोबार कर मुनाफा कमाने का विचार दिया। एडमिन द्वारा बताया गया कि क्रिप्टो करेंसी में निवेश के लिए उसे एक ऐप डाउनलोड करना होगा। साथ ही इसी ऐप पर एक अकाउंट भी बनाना पड़ेगा। उपेंद्र ने ग्रुप के एडमिन और सदस्यों के कहने पर ऐप डाउनलोड कर अपना अकाउंट बना लिया। मुनाफा कमाने के चक्कर में उन्होंने अपने साढ़े सात लाख रुपये के शेयर बेच दिए। साथ ही रिश्तेदारों और दोश्तों से रकम उधार ली। ऐप पर ही क्रिप्टो करेंसी खरीदने के लिए उपेंद्र ने 30 लाख रुपये का निवेश किया।

इस पर उसे 50 लाख रुपये का मुनाफा दिखने लगा। उन्होंने जब इसमें से पांच लाख रुपये निकालने चाहे तो ग्रुप के एडमिन की ओर से बताया गया कि कुल रकम का 30 प्रतिशत और जमा करने के बाद ही रकम निकल सकेगी।

डीएनडी की खाली जमीन के सर्वेक्षण के लिए दोबारा से टेंडर जारी

एनसीआर टुडे. नोएडा। नोएडा प्राधिकरण ने डीएनडी पर खाली पड़ी जमीन के टोपोग्राफिकल सर्वेक्षण के लिए दोबारा टेंडर जारी किया है। एजेंसियां नौ जून तक आवदेन कर सकती हैं। पहले जारी किए गए टेंडर में किसी एजेंसी का चयन नहीं हो सका था।

यहां पर डूब क्षेत्र में करीब 330 एकड़ जमीन खाली है। प्राधिकरण के अधिकारियों ने बताया कि डीएनडी पर पहले उच्च न्यायालय और फिर उच्चतम न्यायालय ने टोल फ्री रखने का आदेश दिया था। उच्चतम न्यायालय ने नोएडा टोल ब्रिज कंपनी और नोएडा प्राधिकरण के बीच हुए करार पर सवाल उठाया था।

सब्दलपुर की नव विवाहिता का पति पर गंभीर आरोप

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷

थाना हीमपुर दीपा क्षेत्र मे जहां दो माह पूर्व अपने ही गाँव के युवक से हुई शादी के बाद एक नवविवाहिता ने अपने पति पर मारपीट और प्रताड़ति करने का आरोप लगाया है। पीड़िता के अनुसार उसका पति सात सीट वाली गाड़ी की मांग करते हुए आय दिन उसके साथ मारपीट करता है।

पीड़िता ने बताया कि उसकी मुँह दिखाई में आई करीब एक लाख की रकम को भी उसके पति ने दबाया हुआ है। वहीं पीड़िता के परिजनों ने बताया कि पुलिस को बीती 30 मई को प्रार्थना पत्र दिया गया था परंतु अभी तक भी कोई कार्रवाई नही की गई है।

दरअसल मौ० यूनुस पुत्र मौ० ईशाक निवासी सब्दलपुर थाना हीमपुर दीपा ने थाने में प्रार्थना पत्र देते हुए बताया कि उसने अपनी पुत्री रजिया का निकाह अपने ही गांव सब्दलपुर निवासी मोहसीन पुत्र अमीर के साथ दो माह पूर्व मुस्लिम रीति रिवाज के साथ अपनी हैसियत के अनुसार किया था।

पीडित पिता ने बताया कि शादी के बाद से ही उसका पति उनकी बेटी को एक सात सीट की गाड़ी के नाम पर प्रताड़ित करने लगा। पीड़िता का आरोप है कि उसे दो बार जान से मारने की कोशिश भी की जा चुकी है। उधर पीड़िता के पिता ने भी तहरीर में उनकी पुत्री की जान को खतरा बताया है।

पीड़ित पिता का कहना है कि तहरीर के आधार पर मुकदमा लिखने के बजाय पुलिस ने आरोपी पति का शांति भंग में चालान कर मामले को रफादफा कर दिया। जबकि उनकी पुत्री को जान का खतरा बना हुआ है। वहीं जब थानां प्रभारी से वार्ता की गई तो उन्होंने बताया कि पीड़िता किसी भी समय थाने आ सकती है। अपना मेडिकल कराकर अपना मुकदमा पंजीकृत करा सकती है। मामले में पुलिस ने पुलिस क्षेत्राधिकारी चांदपुर को जांच आवश्यक कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया।

कार की टक्कर से दो दोस्त घायल

✷ एनसीआर टुडे. ग्रेटर नोएडा ✷

ग्रेनो वेस्ट में एक मूर्ति गोल चक्कर के समीप बेकाबू कार ने सड़क किनारे खड़े दो दोश्तों को टक्कर मार दी। हादसे में घायल दोनों दोश्तों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस ने इस मामले में कार चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

बिसरख कोतवाली पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक विशाल और रिंकू दोनों दोश्त हैं। विशाल ने पुलिस को बताया कि वह दोनों सोमवार की सुबह एक मूर्ति गोल चक्कर के समीप सड़क किनारे खड़े थे। इसी बीच एक तेज रफ्तार कार ने दोनों को टक्कर मार दी। इस बीच आरोपी चालक कार लेकर मौके से भाग गया। राहगीरों ने दोनों घायलों को नजदीक के एक अस्पताल में भर्ती करवाया। घायल विशाल ने आरोपी कार चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया है।

एसपी के निर्देश पर ईद उल अजहा शांतिपूर्ण संपन्न कराने को हुई बैठक

✷ एनसीआर टुडे. अफजलगढ़ ✷

एसपी अभिषेक झा के निर्देश पर ईदुल अजहा के त्योहार को लेकर कोतवाली प्रांगण में शांति समिति की बैठक का आयोजन किया गया।

सीओ अफजलगढ़ राजेश सिंह सोलंकी ने कहा कि सभी साथ मिलकर त्यौहारो को शांतिपूर्ण ढंग से मनाएं और भाईचारे की मिसाल दे।

सोमवार को कोतवाली प्रांगण में एसपी अभिषेक झा के नेतृत्व में ईदुल अजहा के पर्व को लेकर हुई शांति समिति की बैठक में सीओ राजेश सिंह सोलंकी ने नगर और क्षेत्र के लोगों से आपसी सौहार्द के साथ ईदुल अजहा का त्योहार शांति पूर्वक मनाने के साथ साथ सरकार की गाइडलाइन का पालन नियमों का भी ख्याल रखने की अपील की। इस मौके पर थानाध्यक्ष सुमित राठी ने कहा कि नगर पालिका की ओर से नगर में साफ सफाई व्यवस्था पानी पर विशेष ध्यान देने के साथ आपसी प्रेम और भाईचारे के साथ ईदुल अजहा का त्योहार मनाने को कहा असामाजिक तत्वों पर कड़ी नजर रखी जाए।

शांति समिति के सभी सदस्य सक्रिय रहें। कानून व्यवस्था के साथ खिलवाड़ नहीं करने दिया जाएगा। इस मौके पर पूर्व विधायक शेख सुलेमान ने सभी हिन्दू भाइयों को ईदुल अजहा की मुबारकबाद देते हुए कहा है कि ईदुल अजहा का त्योहार बहुत ही प्रेम और सद्भाव के साथ मनाया जाता है। क्षेत्र में एक दूसरे का त्योहार मिलजुलकर हमेशा मनाया जाता है। गंगा जमुना की तहजीब कायम है।

हमेशा कायम रहेगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता सीओ अफजलगढ़ राजेश सिंह सोलंकी व संचालन पूर्व चेयरपर्सन पति सलीम अंसारी एडवोकेट ने किया।

इस अवसर पर नायाब तहसीलदार कपिल आजाद,पूर्व विधायक शेख सुलेमान के आलावा चेयरपर्सन पति जावेद विकार, मुफ्ती सईदुर्रहमान, मौलाना मुख्तार अहमद, तसव्वुर कुरैशी, कैलाश चौधरी, भाजपा मंडल अध्यक्ष जयप्रकाश बंजारा, शेख अब्दुल्ला, अफजाल असलूब अंसारी, इकरार कुरैशी, रईस वकील, आदि मौजूद रहे।

एक दिन में कोरोना के 45 मरीज मिले

एनसीआर टुडे. नोएडा। स्वास्थ्य विभाग ने मंगलवार को कोरोना संक्रमित 45 नए मरीजों की पुष्टि की। इस वर्ष एक दिन में संक्रमितों की यह संख्या सबसे अधिक है। होम आइसोलेशन और अस्पताल से अब तक छह मरीज स्वस्थ हो चुके हैं। " नए संक्रमित मरीजों में से 44 का इलाज होम आइसोलेशन में किया जा रहा है।"

एक मरीज निजी अस्पताल में इलाज करवा रहा है। नए मरीजों में तीन परिवार के 10 से अधिक सदस्य संक्रमित हैं। 18 साल से कम उम्र के भी तीन मरीजों में कोरोना संक्रमण मिला। जिले में पिछले 11 दिनों में 108 कोरोना संक्रमित मरीज मिले हैं। इनमें से 102 सक्रिय मरीज हैं। इन मरीजों में से 54 मरीज पुरुष और इतने ही महिलाएं हैं। मरीजों के संपर्क में आए लोगों की जांच नहीं की गई है। जिला निगरानी अधिकारी टीकम सिंह ने बताया कि अस्पताल में भर्ती मरीज भी गंभीर नहीं है, बल्कि एहतियात के लिए मरीज अस्पताल में इलाज करवा रहा है।

उप सरपंच 'गुड़ की चाय' शाखा संख्या 1091 का उद्घाटन

✷ एनसीआर टुडे. अफजलगढ़ ✷

धामपुर मार्ग पर स्थित भारतीय स्टेट बैंक के निकट, टीवीएस एजेंसी के समीप 'गुड़ की चाय' की नई शाखा, महाराष्ट्र की प्रसिद्ध श्रृंखला की 1091वीं शाखा है।

इस अवसर पर चेयरपर्सन पति जावेद विकार व नगर के अन्य गणमान्य नागरिकों ने संयुक्त रूप से फीता काटकर उद्घाटन किया। कार्यक्रम में शहर के कई सम्मानित व्यक्तित्वों की उपस्थिति ने माहौल को और भी गरिमामय बना दिया।

शाखा के संचालक शानू अंसारी व फरमान मलिक (निवासी धामपुर) ने बताया कि 'हमारी दुकान पर शुद्ध गुड़ से बनी खास चाय अत्यंत ही सश्ते दामों पर उपलब्ध कराई जाएगी।

इसके साथ ही ग्राहकों को फास्ट फूड, चिप्स,नमकीन, बिस्किट, आइसक्रीम,कोल्ड ड्रिंक आदि की सुविधाएं भी मिलेंगी।'

विशेष आकर्षणः उद्घाटन के अवसर पर 'गुड़ की चाय' ग्राहकों को निःशुल्क परोसी गई। इस अवसर पर प्रमुख रूप से जावेद विकार (चेयरपर्सन पति), शमशाद हुसैन, अब्दुल बारी, चांद सभासद, मिस्त्री तालिब, मोहम्मद अब्दुल्लाह, मोहम्मद कफील, अहमद पत्रकार शावेज़ सावेज अहमद पत्रकार, अमानत हुसैन पत्रकार, अजय कुमार, सुनिल नारायण, विनय भार्गव (अध्यक्ष, वेलफेयर प्रेस क्लब), इशरत अली अध्यक्ष उत्तर प्रदेश पत्रकार एसोसिएशन जर्नलिस्टऑफ़ तहसील इकाई धामपुर हस्सान, इकराम अली,उबेद विशाल, शराफत,साजिद सैफी, सलमान सैफी, मोहम्मद अख्तर व अन्य गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

संपादकीय

विकसित भारत : संकल्प का प्रथम कदम

इतिहास के कुछ पन्ने हमें यह भी बताते हैं कि जब हमारा देश स्वतंत्र हुआ तो पाश्चात्य देश यह कहते थे कि भारतवर्ष स्वतंत्रता को ज्यादा दिन तक संभाल नहीं पाएगा। इस देश का विकास होना संभव नहीं है। माना कि यह बात उस समय और परिस्थिति के आधार पर कुछ समीक्षकों और बुद्धिजीवियों ने की हो लेकिन आज वास्तविकता उससे बहुत परे है।

हमारे देश ने आजादी के बाद कई उतार-चढ़ावों को देखा। पड़ोसी देशों ने हम पर समय-समय पर आक्रमण किए। इन आक्रमणों से हमें आर्थिक, सामाजिक, जन हानि आदि को झेलना पड़ा। पड़ोसी देश पाकिस्तान आज भी हमारी विकास गति को पचा नहीं पाता और वह स्वयं से या किसी अन्य देश के कहने से भारतवर्ष में आतंकवादी घटनाओं को अंजाम देता रहता है। उसे हर बार मुंह की खानी पड़ी है। इस बार ऑपरेशन सिंदूर के चलते उसके घर में ही घुसकर हमने उसके आतंकी ठिकानों को मिट्टी में मिलने का काम किया है। देश के विकास के लिए देश में शांति और भाईचारा बना रहना चाहिए। इसके साथ ही सबसे बड़ी बात कि देश को मजबूत राजनीतिक सत्ता अर्थात स्थिर सरकार का होना भी होता है। पिछले 11 वर्षों से देश में यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की मजबूत और कारगर सरकार काम कर रही है। इससे पहले की सरकारों ने भी देश के लिए कार्य किया है, इसे भी नहीं भूलना चाहिए। यहाँ महत्वपूर्ण बात यह है कि अब जो सरकार काम कर रही है, वह वास्तव में देश-दुनिया को दिखाई दे रहा है।

भारतवर्ष ने हर एक क्षेत्र में अपनी स्थिति को मजबूत किया है। नए संकल्प के साथ भारतवर्ष ने नई ऊंचाइयों को छुआ है। देश के विकास में हरित क्रांति, श्वेत क्रांति, पीली क्रांति, नीली क्रांति, गुलाबी क्रांति, रजत क्रांति, सुनहरी क्रांति आदि सभी का सहयोग बराबार रहा है। हमारे विज्ञान और तकनीक ने भी विश्व को नए आयाम दिए हैं। आज भारतवर्ष दुनिया का सबसे घनी आबादी का देश है, तो साथ ही अर्थव्यवस्था की दृष्टि से चौथे स्थान पर आ गया है। वह दिन भी दूर नहीं जब भारत विश्व की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था होगा। देश के लिए, देश के हर एक नागरिक के लिए यह अच्छी बात है कि हमारे श्रमबल, उद्योग, तकनीक आदि सभी ने मिलकर आज भारतवर्ष को चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था बना दिया है। अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में अमेरिका, चीन और जर्मनी ही भारत से आगे हैं। रिपोर्ट और आंकड़े यह भी बता रहे हैं कि विकास की गति ऐसे ही आगे बढ़ती रही तो भारत अर्थव्यवस्था की दृष्टि से तीन वर्षों में ही जर्मनी को पीछे छोड़ देगा और तीसरे स्थान पर आ जाएगा।

भारत ने अर्थव्यवस्था में चौथा स्थान जापान को पीछे छोड़कर प्राप्त किया है। आंकड़े यह भी बताते हैं कि जापान की उम्र दराज आबादी और कम जन्म दर उसके लिए चुनौती बनकर उभरी है। दूसरी ओर ध्यान दें तो आज भारत विश्व का सबसे युवा शक्ति का देश बनकर उभरा है। आरबीआई ने अपनी वार्षिक रिपोर्ट में कहा है कि वर्ष 2025-26 में दुनिया में सबसे तेज गति से आर्थिक विकास दर हासिल करने वाला प्रमुख देश भारतवर्ष बना रहेगा। भारत की विकास दर तेजी से आगे बढ़ रही है। आंकड़े यह भी बताते हैं कि 2024- 25 में दुनिया में सबसे ज्यादा विकास दर 6.5% भारत की रहेगी। भारत धीरे-धीरे महाशक्ति बनता जा रहा है, आर्थिक रूप से भी भारत मजबूत होता जा रहा है।

भारतवर्ष के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने 2047 तक विकसित भारत की बात कही है। देश के युवाओं को इसी ओर अग्रसर भी कर रहे हैं। विचार करें तो भारतीय अर्थव्यवस्था, तकनीक, विज्ञान आदि सभी कुछ इसी ओर अग्रसर भी दिखाई दे रहे हैं। भारत अपने संकल्प को जल्द ही पूरा करेगा। सही मायने में संकल्प से ही सिद्धि प्राप्त होती है।

एक अजीब संयोग- इस जमीन से पाक को चेतावनी जो कभी पाकिस्तान की होने जा रही थी...।

यह भी कितना अजीब संयोग है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र भाई मोदी ने पाकिस्तान को उसे जमीं से सख्त चेतावनी दी, जो कभी पाकिस्तान के कब्जे में जाने वाली थी, यदि तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू व तब के गृहमंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल हस्तक्षेप नहीं करते तो आज भारत की दो पूर्व रियासतें भोपाल व हैदराबाद पाकिस्तान का हिस्सा होती, यह अजीब किस्सा है, आजादी के बाद कुछ रियासतों के विलीनीकरण के उस समय हिंदुस्तान के दोनों शहर भोपाल और हैदराबाद मुस्लिम बहुसंख्यक प्रधान शहर हुआ करते थे। इसलिए इन दोनों रियासतों के तत्कालीन नवाबों ने दोनों शहरों को पाकिस्तान में संविलियन करने का प्रस्ताव पंडित नेहरू के सामने रखा था।

किंतु सरदार वल्लभभाई पटेल ने इस प्रस्ताव को अमान्य कर दोनों शहरों को संबंधित प्रदेशों की राजधानी बनाने का फैसला ले लिया और भोपाल व हैदराबाद के राजधानी बन जाने के बाद, यह शहर मुस्लिम जनसंख्या प्रधान नहीं रह सके और यह पाकिस्तान में जाने से बच गए यह दिलचस्प किया यद्यपि 75 साल पुराना है, किंतु इसी जमीं से पाक को दी गई चेतावनी के बाद यह स्मृति पटल पर अवतरित हो गया।

यहां यह भी उल्लेखनीय है कि 1956 में मध्य प्रदेश के जन्म के समय इस प्रदेश की राजधानी को लेकर भी भारी कशमकश हुई थी, क्योंकि इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर व उज्जैन के नेतागण अपने गृह शहर को प्रदेश की राजधानी बनवाना चाहते थे, किंतु पंडित नेहरू की विगत किस्सा फिर याद आ गया और उन्होंने भोपाल को राजधानी घोषित कर इस क्षेत्र को मुस्लिम प्रधान होने से एक बार फिर बचा लिया। विगत दिवस महिलाओं के महासम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र भाई मोदी ने इसी जमीन से पाकिस्तान को गोली का जवाब गोले से देने की चेतावनी दी तब 75 साल पुरानी में घटना याद आना स्वाभाविक था।

शायद इस क्षेत्र की नई युवा पीढ़ी को इस घटना की जानकारी न हो, इसलिए आज मुझे इस घटना का विस्तार से उल्लेख करना पड़ा। पंडित नेहरू की कल्पना के अनुरूप देश के यह दोनों महत्वपूर्ण शहर राजधानियां बन जाने के बाद अब मुस्लिम प्रधान नहीं रहे, यहां गैर मुस्लिम सरकारी कर्मचारियों का बाहुल्य हो गया और अब यह दोनों राजधानियां अमन चैन की जिंदगी जी रही है। ....और फिर अजीब संयोग यह भी की पूर्व प्रथम प्रधानमंत्री के मौजूदा कट्टर आलोचक वर्तमान प्रधान मंत्री जी ने इसी जमीं पर आकर पाकिश्तान को चेतावनी पूर्ण संदेश दिया।

प्रकृति प्रदत्त जीवनदायी, विकास के विनाशकारी प्रभाव

कुलभूषण उपमन्यु

मानव समाज ज्यों ज्यों विकसित होता जा रहा है त्यों त्यों प्रकृति प्रदत्त जीवनदायी तत्वों का विनाश बढ़ता ही जा रहा है। हालांकि प्रकृति मित्र विकास के मॉडल विकसित करने के दावे और प्रयास किए जा रहे हैं, किन्तु जिस गति से प्रकृति का विनाश किया जा रहा है, उसकी भरपाई करना असंभव होता जा रहा है।

हवा, पानी और भोजन जीवन की सबसे मूल जरूरतें हैं। हवा प्रदूषण इस हद तक बढ़ गया है कि विश्व के अनेक क्षेत्र गैस चैंबर बनते जा रहे हैं। जलवायु परिवर्तन के चलते धरती पर पानी के भंडार खतरे में पड़ गए हैं।

हिमनदों के पिघलने की गति बढ़ती जा रही है जिसके चलते आने वाले 40-50 वर्षों में ग्लेशियर समाप्त होने के कगार पर होंगे। अमेरिका के रौकिज से लेकर यूरोप की ऐल्प्स, काकेशस, और भारत की हिमालय पर्वत श्रृंखलाएं हिमनद विहीन होने वाली हैं।

विज्ञान पत्रिका 'साइंस' के मुताबिक यदि हम वैश्विक तापमान वृद्धि को औद्योगिक क्रांति के बाद से 2 डिग्री सेंटी ग्रेड के भीतर नहीं रोक सके तो विश्व के ग्लेशियरों में सदी के अंत तक 10-15 फीसदी ही बर्फ बची रहेगी। इससे पानी की आपूर्ति करने वाली सदानीरा नदियां मौसमी बन कर रह जाएंगी जिनमें बारिश होने पर ही पानी होगा, या थोड़ा बहुत वनों द्वारा संरक्षित जल पर ही आबादी को निर्भर रहना पड़ेगा।

भूजल की स्थिति भी अच्छी नहीं है। भारत में 45 फीसदी क्षेत्र भूजल के अधिक दोहन के कारण लाल सूची में आ गए हैं। हिमनदों के जल्दी पिघलने के कारण हिमालयी क्षेत्रों में हिमनद जनित झीलें बन रही हैं। हिमनदों की बर्फ कच्चे मलबे के साथ टूट कर पर्वतीय संकरी घाटियों में गिर कर बर्फीले मलबे के बांध बना देती है, जिसमें हिमनदों का पानी जमा होता रहता है और जब पानी की मात्रा बांध की दीवार की झेलने की शक्ति से ज्यादा हो जाती है, तब ये हिमनद बांध टूट कर निचले क्षेत्रों में बाढ़ लाकर भारी तबाही का कारण बनते हैं। हिमाचल में 90 के दशक में पाच्छ से आई बाढ़ और उत्तराखंड में विष्णुगाड़ बाढ़ ताजा उदाहरण हैं।

हिमालय में इस समय 28000 के करीब हिमनद झीलें बन चुकी हैं जिनमें से बहुत सी खतरनाक साबित हो सकती हैं। उपजाऊ जमीनें अत्यधिक उपज लेने के चक्कर में रासायनिक खादों और कीटनाशक और खरपतवार नाशक दवाइयों के प्रयोग के कारण अपनी शक्ति खोती जा रही हैं। यानी जिंदा रहने के लिए सबसे जरूरी तीनों तत्व खतरे की चपेट में हैं। और जलवायु परिवर्तन के कारण प्राकृतिक आपदाओं का क्रम भी बढ़ता जा रहा है। अति वृष्टि और अनावृष्टि का क्रम आम हो गया है। इस वर्ष हिमाचल में मार्च में औसत से कम बारिश हुई है। जब बारिश होती है तो बहुत भारी बारिश होती है। हिमाचल और उत्तराखंड में पिछले दो वर्षों से बरसात में भारी तबाही हो रही है। गत वर्ष हिमाचल में 450 के लगभग लोग अकाल मृत्यु का ग्रास बन गए थे। इस वर्ष मई महीने में ही कुल्लू और चंबा जिलों में बादल फटने की घटनाएं हो चुकी हैं, जिससे जन-धन की हानि हुई है।

भारतीय ऊर्जा, पर्यावरण एवं जल परिषद ने इस वर्ष देश के 57 फीसदी जिलों को जिनमें 76 फीसदी आबादी का निवास है, अत्यंत भीषण गर्मी की चपेट में आने की चेतावनी दी है। 1993 से 2022 के बीच मौसम खतरा सूचकांक 2025 के अनुसार मौसम की भारी मार झेलने वाले देशों में भारत छठे स्थान पर है। 2024 की रिपोर्ट के अनुसार 2012-22 के बीच 55 फीसदी तहसीलों में बारिश में भारी वृद्धि दर्ज की गई। वैश्विक तापमान में अप्रत्याशित वृद्धि के कारण ही यह स्थिति बनी है। तापमान में वृद्धि ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन में वृद्धि के कारण हुई है।

इन गैसों के उत्सर्जन में वृद्धि अंधाधुंध निर्माण कार्यों में वृद्धि के कारण हुई है। अत्यधिक ऊर्जा की मांग के कारण जीवाश्म ईंधनों के प्रयोग में वृद्धि हो रही है। निर्माण कार्यों के कारण ग्रीन हाउस गैसों को प्रचूषित करके नियंत्रण करने वाले वनों का भी बहुत कटान हो रहा है। भारतवर्ष चीन और अमरीका के बाद सबसे ज्यादा कार्बन उत्सर्जन करने वाला देश बन गया है।

गत वर्षों में भारत कोयले के खनन को लगभग 5 फीसदी बढ़ा चुका है। जरूरत तो इसे कम करते जाने की है। हालांकि स्वच्छ ऊर्जा के लिए सौर ऊर्जा उत्पादन के लिए अच्छे प्रयास हुए हैं। 2015 में सौर ऊर्जा का कुल ऊर्जा उत्पादन में योगदान 0.5 से बढ़ कर 5.8 फीसदी हो गया है। इस समय भारत की स्थापित सौर ऊर्जा क्षमता 73 गीगावाट है, जो विश्व श्तर पर छठे स्थान पर है।

किन्तु 70 फीसदी ऊर्जा जरूरतें अभी भी कोयले से पूरी की जा रही हैं। इसे लगातार कम करने की जरूरत है। अत्यधिक बनावटी मांग पैदा करना एक बड़ी समस्या बनती जा रही है। पूरा मीडिया इसी काम में लगा रहता है। उत्पादन प्रक्रिया का फलसफा अमरीकी फलसफे पर आधारित होता जा रहा है, जिसमें 'यूज एंड थ्रो' का सिद्धांत सर्वोपरि है।

पुराने समय में उत्पाद ऐसे होते थे जिनकी मरम्मत करके सालों साल प्रयोग किया जा सकता था। मरम्मत करने वाले लोगों की एक बड़ी फौज को रोजगार भी मिलता था। अब तो ऐसी वश्तुएं बनने लगी हैं जिनको एक बार प्रयोग करके फैंकना ही पड़ता है।

इससे एक तो संसाधनों का अत्यधिक दोहन और खनन करना पड़ता है और दूसरे, इतना ज्यादा कचरा पैदा हो रहा है जिसके निपटारे की समस्या नियंत्रण से बाहर हो रही है। इस सबके लिए अतिरिक्त ऊर्जा की जरूरत पड़ती है। टिकाऊ उत्पाद बनाने से इस फिजूलखर्ची से बचा जा सकता है।

इस फालतू कचरे के कारण वायु और जल प्रदूषण भी बढ़ता जा रहा है। प्लास्टिक कचरे के जल में पहुंचने से माइक्रो प्लास्टिक और नैनो प्लास्टिक मछलियों के पेट में पहुंच रहा है और वहां से मनुष्य के भोजन के राश्ते मनुष्य शरीर में पहंच कर नई नई समस्याएं पैदा कर रहा है। ग्लेशियर पिघलने से लाखों सालों से दबे कई तरह के वायरस भी प्रकट हो रहे हैं जिनके बारे में कोई समझ अभी विकसित होना कठिन है।

वन्य प्राणियों के शरण स्थल वन घटते जाने से वन्य प्राणियों के आबादियों में आने से मानव-वन्य प्राणी संघर्ष तो बढ़ ही रहा है, साथ ही उनके वायरस भी मनुष्य प्रजाति को खतरा पैदा कर रहे हैं। कोरोना भी तो जंगली चमगादड़ों के ही माध्यम से फैला था, चाहे उन पर किए जा रहे कुछ प्रयोगों की वजह से ही क्यों न हो।

अतः अति उपभोग पर आधारित सभ्यता को सादगी की ओर ले जाने की दिशा में सोचना होगा। टिकाऊ विकास की बात को यथार्थ में जमीनी श्तर पर लाना होगा।

(लेखक पर्यावरणविद है)

रेखा सरकार के 100 दिन : उम्मीदों और चुनौतियों का सम्मिश्रण

हर्षवर्धन पान्डे

20 फरवरी 2025 को रेखा गुप्ता ने दिल्ली की चौथी महिला मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण की। भारतीय जनता पार्टी की जीत के बाद 27 साल बाद दिल्ली में सत्ता परिवर्तन हुआ और रेखा गुप्ता को इस ऐतिहासिक जिम्मेदारी का नेतृत्व करने का मौका मिला।रेखा गुप्ता शालीमार बाग से पहली बार विधायक चुनी गई।

हरियाणा के जींद में जन्मी और दिल्ली में पली-बढ़ीं रेखा गुप्ता का राजनीतिक सफर दिल्लीविश्वविद्यालय के छात्रसंघ की अध्यक्ष से शुरू हुआ। वह तीन बार दिल्ली नगर निगम की पार्षद और बीजेपी महिला मोर्चा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रह चुकी हैं। उनकी नियुक्ति को भाजपा की महिला सशक्तिकरण की परिकल्पना को साधने की रणनीति के रूप में देखा गया। उन्होनें 100 दिन के कार्यकाल में अपनी सधी हुई शुरुआत से इसे साबित करके दिखाया है। न केवल दिल्ली की राजनीती में उन्होनें खुद को बेहतर ढंग से स्थापित करने की कोशिश की है बल्कि राष्ट्रीय श्तर पर भी अपने कार्यों से खुद को अग्रिम पंक्ति में खड़ी सीएम के तौर पर प्रशतुत किया है।

20 फरवरी 2025 को रेखा गुप्ता ने दिल्ली की मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली जिसके बाद उनकी सरकार ने 30 मई 2025 को अपने 100 दिन पूरे किए। इस अवधि में भाजपा की नेतृत्व वाली सरकार ने दिल्ली को विकसित, स्वच्छ और सुरक्षित बनाने के वादे के साथ कई पहल शुरू की। सरकार ने अपनी पहली कैबिनेट बैठक में दिल्ली में आयुष्मान भारत योजना को लागू करने की मंजूरी दी। यह योजना दिल्लीवासियों को मुफ्त इलाज की सुविधा प्रदान करती है जिससे स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच बढ़ी है। रेखा गुप्ता सरकार ने केंद्र की महत्वाकांक्षी आयुष्मान भारत योजना को दिल्ली में लागू किया जिसे पिछली आम आदमी पार्टी सरकार ने रोके रखा था। इस योजना के तहत 5 लाख रुपये तक का स्वास्थ्य बीमा प्रदान किया जा रहा है, साथ ही राज्य सरकार द्वारा अतिरिक्त 5 लाख रुपये का टॉप-अप दिया जा रहा है। इसी प्रकार वयोवंदना योजना के अंतर्गत 70 वर्ष से अधिक आयु के 6 लाख बुजुर्गों को 10 लाख रुपये तक का स्वास्थ्य बीमा सुनिश्चित किया गया। यह कदम बुजुर्गों के लिए स्वास्थ्य सुविधाओं को सुलभ बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। 100 दिन में दिल्ली की सेहत सुधारने के लिए 100 दिन की सेवा में 12826 करोड रुपए का बजट दिया गया।

1139 आयुष्मान आरोग्य मंदिरों के निर्माण की योजना शुरू की गई। सभी सरकारी अस्पतालों में जन औषधि केंद्र बनाने का फैसला लिया गया। दिल्ली के सरकारी स्कूलों में बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने, शिक्षकों की प्रशिक्षण प्रणाली को अपडेट करने और विद्यार्थियों के लिए अधिक संसाधन उपलब्ध कराने का वादा किया गया है। इसके साथ ही दिल्ली के सरकारी अस्पतालों में बुनियादी सुविधाओं का सुधार और दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित करने पर भी ज़ोर दिया गया है।

रेखा गुप्ता ने सरकार की कमान संभालते ही यमुना नदी की सफाई को प्राथमिकता दी। रेखा गुप्ता ने भलस्वा लैंडफिल साइट का दौरा कर वहाँ वृक्षारोपण और सफाई की शुरुआत की। यमुना के वसुदेव घाट पर उन्होंने कैबिनेट के साथ आरती की और नदी की सफाई को अपनी सरकार की प्रमुख प्राथमिकता घोषित किया। यह कदम पर्यावरण संरक्षण और सांस्कृतिक महत्व को रेखांकित करता है।सरकार ने यमुना नदी को पुनर्जनन और पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए भारत सरकार के साथ एक एमओयू भी साइन किया जिसमें वजीराबाद बैराज से जगतपुर तक फेरी और क्रूज सेवाएं शुरू करने की योजना बनाई गई। इसी के साथ 27 नए विकेंद्रीकृत सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट्स को मंजूरी दी गई और एक समग्र अर्बन रिवर मैनेजमेंट प्लान तैयार किया गया।

यह दीर्घकालिक परियोजना है जिसके ठोस परिणाम अभी सामने नहीं आ पाए हैं। यमुना नदी की सफाई और सिंगल-यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध जैसे कदम भी उनकी प्राथमिकताओं में हैं। हालांकि इन लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए दीर्घकालिक योजना और संसाधनों की आवश्यकता होगी। रेखा गुप्ता ने मॉनसून से पहले दिल्ली के प्रमुख नालों का निरीक्षण किया और अधिकारियों को सफाई के स्पष्ट निर्देश दिए। उन्होंने बाहरी रिंग रोड को गड्ढा-मुक्त करने का लक्ष्य भी रखा जो दिल्ली की बुनियादी ढांचे की समस्याओं को हल करने की दिशा में एक प्रयास है। यमुना की सफाई और प्रदूषण नियंत्रण में प्रगति धीमी है और दिल्ली अभी भी सबसे प्रदूषित राजधानियों में अग्रणी है। सड़कों की स्थिति सुधारने, ट्रैफिक जाम को कम करने और सार्वजनिक परिवहन की सुविधा बढ़ाने के लिए नए प्रयास किए जा रहे हैं।

दिल्ली में जलभराव की समस्या से निपटने के लिए सरकार ने मुंबई से अत्याधुनिक मशीनें मंगवाकर सीवर और नालों की सफाई शुरू की जिससे मिंटो ब्रिज जैसे क्षेत्रों में सुधार हुआ और जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की गई। शालीमार बाग में आयुर्वेदिक झुग्गी में सीवेज प्लांट की समस्या हल हुई वहीँ हैदरपुर गांव में नई नाली बनाई गई और मैक्स अस्पताल के पास खुले नाले को 34 लाख रुपये की लागत से ढका गया। ये कदम जल निकासी और स्वच्छता में सुधार ला रहे हैं लेकिन पूरी दिल्ली की तस्वीर बदलने में अभी लम्बा समय लगेगा।

मई 2025 में दिल्ली में एयर क्वालिटी इंडेक्स 500 तक पहुंच गया, जो मई के महीने में अभूतपूर्व था। प्रदूषण के निवारण के लिए अभी दिल्ली को किसी दीर्घकालिक योजना की दरकार है। 100 दिवस के कार्यकाल में 16 लाख मीट्रिक टन गाद यमुना से हटाई गई और 804 करोड़ की लागत से आठ अमृत परियोजनाओं को मंजूरी सरकार के द्वारा दी गई।

यमुना की सफाई के लिए 40 एसटीपी मंजूर किये गए। 1167 जीपीएस टैंकर चलकर दिल्ली के टैंकर माफिया के खिलाफ बड़ा प्रहार किया गया। दिल्ली में आम जान से सुझाव मांगे और 1 लाख करोड़ का ऐतिहासिक बजट सरकार द्वारा पेश किया गया।

मुफ्त बिजली योजना के तहत सरकार ने 30 हजार तक अतिरिक्त सब्सिडी देने का फैसला किया है। आगामी तीन वर्षों में 2. 3 लाख घरों को सोलर ऊर्जा से रोशन करने का संकल्प लिया है। शिक्षा के क्षेत्र में सुधार की दिशा में सरकार ने 75 सीएम श्री स्कूल शुरू करने का फैसला लिया है। इसके साथ ही 1 लाख 63 हजार बच्चों को फ्री नीट और जेईई की कोचिंग की सुविधा सरकार द्वार दी गई। सरकार का वर्तमान में फोकस स्कूलों और नगर निगम के पुश्तकालयों को डिजिटल करने का है। सार्वजनिक परिवहन को दुरुश्त करने के लिए सरकार ने 460 इलेक्ट्रानिक बसें चलाई। इस साल के अंत तक शहर में 4,000 से अधिक इलेक्ट्रिक बसें चलाई जाएंगी।

मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि झुग्गियों को तोड़ा नहीं जाएगा, बल्कि वहां पेयजल, सीवर पाइपलाइन और शौचालय जैसी सुविधाएं दी जाएंगी।यह नीति झुग्गीवासियों के लिए राहत लेकर आई जो पहले वोट बैंक के रूप में देखे जाते थे और तोड़े जाने के डर से जूझते थे। एक समावेशी कदम है, जो गरीबों के जीवन श्तर को बेहतर कर सकता है लेकिन संसाधन आवंटन और कार्यान्वयन की चुनौती बनी हुई है। अभी भी दिल्ली गैस चैंबर बानी हुई है और जाम की समस्या से हर घंटे जूझ रही है।

ओखला लैंडफिल साइट पर 60 मीटर ऊंचे कचरे के पहाड़ को बायो-माइनिंग तकनीक से 20 मीटर तक कम किया गया। 62 एकड़ में फैले इस लैंडफिल के 30 एकड़ को उपयोगी बनाया गया और 56 लाख मीट्रिक टन कचरे का निश्तारण हुआ। दिसंबर 2025 तक 30 लाख मीट्रिक टन अतिरिक्त कचरे को हटाने का लक्ष्य है, जिसे अक्टूबर तक पूरा करने की कोशिश है। पर्यावरण संरक्षण की दिशा में यह एक ठोस कदम है लेकिन तय समय सीमा में लक्ष्यों को पूरा करना सरकार की दक्षता पर निर्भर करेगा। रेखा गुप्ता ने निजी स्कूलों की फीस को नियंत्रित करने के लिए अध्यादेश लाने की योजना का खुलासा किया ताकि माता-पिता पर अनुचित बोझ न पड़े। यह शिक्षा को सुलभ बनाने की दिशा में सकारात्मक कदम है लेकिन निजी संस्थानों के साथ समन्वय और कानूनी प्रक्रिया इसे जटिल बना सकती है।

रेखा गुप्ता ने विश्वास, विकास और व्यवस्था पर शुरूआती 100 दिनों में सधी हुई शुरुआत की है। जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में 100 दिन सेवा के कार्यक्रम में अभिनेता अनुपम खेर के साथ संवाद ने जनता को उत्साहित किया। रेखा गुप्ता की सक्रियता और जमीनी श्तर पर काम करने की शैली को जनता ने भी सराहा है। उनके द्वारा सड़कों पर उतरकर नालों का निरीक्षण और यमुना आरती जैसे कदमों को जनता से जोड़ने की कोशिश के रूप में देखा गया।डबल और ट्रिपल इंजन सरकार के नारे के साथ भाजपा पर दिल्ली को विश्वश्तरीय बनाने की जिम्मेदारी है जो आसान नहीं है।

शुरूआती 100 दिनों में रेखा गुप्ता ने प्रशासनिक ढांचे को सुधारने, सरकारी कर्मचारियों की कार्यप्रणाली को पारदर्शी बनाने और भ्रष्टाचार पर कड़ी नज़र रखने का वादा किया है। उनकी सरकार ने कई कदम उठाए हैं, जिनमें सरकारी दफ्तरों में डिजिटलाइजेशन को बढ़ावा देना और नागरिकों की शिकायतों का त्वरित समाधान सुनिश्चित करना शामिल है।

इन कदमों से उम्मीद की जा रही है कि प्रशासन में पारदर्शिता और दक्षता में सुधार होगा। दिल्ली के सरकारी स्कूलों में बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने, शिक्षकों की प्रशिक्षण प्रणाली को अपडेट करने और विद्यार्थियों के लिए अधिक संसाधन उपलब्ध कराने का वादा किया गया है। इसके साथ ही, दिल्ली के सरकारी अस्पतालों में बुनियादी सुविधाओं का सुधार और दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित करने पर भी ज़ोर दिया गया है।

रेखा गुप्ता के 100 दिनों में आयुष्मान भारत, यमुना सफाई, जलभराव समाधान, झुग्गी सुधार और कचरा प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में उल्लेखनीय कदम उठाए गए हैं। हालांकि, 100 दिन किसी सरकार के प्रदर्शन का पूर्ण मूल्यांकन करने के लिए पर्याप्त नहीं हैं। प्रदूषण, स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी और बुनियादी ढांचे की पुरानी समस्याएं अभी भी चुनौती बनी हुई हैं।

दिल्ली चुनावों के दौरान भाजपा ने बड़े जोर शोर से महिलाओं के लिए महिला समृद्धि योजना लागू करने के वादे बड़े जोर शोर से किये थे जिसमें 2500 रु देने की बात कही थी लेकिन भाजपा सरकार के 100 दिन पूरे होने के बाद भी यह योजना अभी तक अधर में लटकी है और विपक्ष के निशाने पर भाजपा है।

प्रधानमंत्री मोदी के विकसित भारत के साथ विकसित दिल्ली अभी दूर की गोटी है। आने वाला समय इस दिशा में उनकी काबिलियत को परखेगा।

रेखा गुप्ता के पहले 100 दिन दिल्ली में बीजेपी की नई सरकार के लिए एक मजबूत शुरुआत का प्रतीक रहे। महिला सशक्तिकरण, स्वास्थ्य, पर्यावरण और बुनियादी ढांचे पर उनके कदम जनता के बीच विश्वास जगाने की कोशिश करते हैं। हालांकि प्रदूषण, जाम ,जलभराव और चुनावी वादों को समयबद्ध तरीके से लागू करने की पहाड़ सरीखी चुनौतियां अभी भी बनी हुई हैं। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के शुरूआती 100 दिनों में कई महत्वपूर्ण बदलाव और फैसले हुए हैं। कहा जा सकता है कि उनके पहले 100 दिन आम नागरिकों के लिए काफी महत्वपूर्ण रहे हैं।

रक्षा निर्यात में ताकत बनकर उभरेगा भारत

डा. अश्विनी महाजन

पाकिश्तान की आतंकवादी गतिविधियों के खिलाफ भारत द्वारा छेड़े गए युद्ध के केवल चार दिनों के बाद, हालांकि युद्धविराम ने इस आतंकवादी राष्ट्र को और अधिक नुकसान से बचा लिया है, लेकिन इस छोटी सी अवधि में पाकिश्तान को निश्चित रूप से भारी नुकसान उठाना पड़ा है।

अगर हम संघर्ष के इन चार दिनों को देखें, तो भारत निश्चित रूप से अपनी रक्षा क्षमताओं, विशेष रूप से स्वदेशी रक्षा उपकरणों को वैश्विक श्तर पर अपने संबंधित श्रेणियों में सर्वश्रेष्ठ के बराबर या उससे भी बेहतर प्रदर्शित करने में सक्षम रहा है। भारत सरकार के प्रेस सूचना ब्यूरो के अनुसार, 'ऑपरेशन सिंदूर ने भारतीय प्रणालियों द्वारा शत्रु की प्रौद्योगिकियों को बेअसर करने के ठोस सबूत भी पेश किए- चीनी पीएल-15 हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइलों, तुर्की मूल के यूएवी, लंबी दूरी के रॉकेट, क्वाडकॉप्टर और वाणिज्यिक ड्रोन के टुकड़े बरामद किए गए।'

पीआईबी आगे कहता है, 'जिन्हें बरामद किया गया और उनकी पहचान की गई, जिससे पता चलता है कि पाकिश्तान द्वारा विदेशों से आपूर्ति किए गए उन्नत हथियारों का फायदा उठाने के प्रयासों के बावजूद, भारत का स्वदेशी वायु रक्षा और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध नेटवर्क बेहतर बना हुआ है।' गौरतलब है कि भारत का रक्षा निर्यात 2013-14 में 686 करोड़ रुपए से बढक़र 2023-24 में 21083 करोड़ रुपए हो गया, और 2024-25 में यह 23622 करोड़ रुपए हो गया।

अगले वर्ष के लिए इसका लक्ष्य 35000 करोड़ रुपए के रक्षा उपकरण निर्यात करना है। भारत अब इटली, मालदीव, रूस, श्रीलंका, यूएई, फिलीपींस, सऊदी अरब, पोलैंड, मिस्र, इजरायल, स्पेन और चिली सहित 85 से अधिक देशों को निर्यात करता है। भारत द्वारा निर्यात किए जाने वाले प्रमुख रक्षा उपकरणों में शामिल हैं- आकाश- सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली, जिसे आर्मेनिया जैसे देशों को निर्यात किया गया है और सूडान में प्रदर्शित किया गया।

ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल, जिसे फिलीपींस को निर्यात किया जा रहा है और अन्य दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों ने भी इसमें रुचि दिखाई है (सौदों पर हश्ताक्षर किए जा रहे हैं)। पिनाका मल्टी-बैरल रॉकेट लांचर, जिसे आर्मेनिया को निर्यात किया गया, 155 मिमी आर्टिलरी गन, जिसे आर्मेनिया को निर्यात किया गया, जो उन्नत आर्टिलरी प्रणालियों में भारत की क्षमताओं को उजागर करता है।

डोर्नियर-228 विमान, जिसे परिवहन और निगरानी भूमिकाओं के लिए विभिन्न देशों को निर्यात किया गया। हालांकि, इन रक्षा वश्तुओं की विभिन्न देशों में पहले से ही मांग है, लेकिन ऑपरेशन सिंदूर के बाद परिदृश्य भारत के रक्षा निर्यात के पक्ष में और भी बदल गया है। भारत अब अधिक रक्षा सामान बेचने की बेहतर स्थिति में है।

इस ऑपरेशन ने न केवल भारत की सैन्य साख को बढ़ाया है, बल्कि स्वदेशी रूप से विकसित रक्षा प्रणालियों की विश्वसनीयता और प्रभावशीलता का जीवंत प्रदर्शन भी किया है। कैसा रहा प्रदर्शन? पीएम नरेंद्र मोदी ने भी कहा है कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हमारे मेड इन इंडिया हथियारों की प्रामाणिकता साबित हुई है। आज दुनिया देख रही है कि 21वीं सदी के युद्ध में मेड इन इंडिया रक्षा उपकरणों का समय आ गया है। भारत ने अपनी क्षमताओं का शानदार प्रदर्शन किया है और नए युग के युद्ध में अपनी श्रेष्ठता साबित की है। इसने भारत को स्वदेशी हथियारों और रक्षा प्रणालियों को कार्रवाई में प्रदर्शित करने का एक दुर्लभ अवसर प्रदान किया है। वाश्तव में, हम युद्ध के मैदान में भारत के वर्तमान कार्य को दुनिया में भारत निर्मित हथियारों के प्रदर्शन को प्रदर्शित करने वाला एक प्रचार अभ्यास कह सकते हैं, क्योंकि हम कह सकते हैं कि वे परीक्षण केवल मैदान में नहीं बल्कि चीन और तुर्की जैसी प्रमुख सैन्य शक्तियों द्वारा समर्थित वाश्तविक युद्ध जैसी स्थिति में सिद्ध हुए हैं।

आकाश मिसाइल सिस्टम पर इकोनॉमिक टाइम्स लिखता है कि भारत-पाकिश्तान तनाव के बीच, आकाश मिसाइल ने अपनी 'अग्नि परीक्षा' पास कर ली है। उल्लेखनीय है कि आकाश मिसाइल रक्षा प्रणाली भारत की स्वदेशी प्रणाली है, जिसने हाल ही में भारत-पाकिश्तान संघर्ष के दौरान अपनी प्रभावशीलता का प्रदर्शन किया है।

इस प्रणाली को भारत द्वारा महत्वपूर्ण निवेश के साथ 15 वर्षों में विकसित किया गया है। आकाश ने आने वाले ड्रोन और मिसाइल को सफलतापूर्वक रोक दिया और भारत की रक्षा क्षमताओं को मजबूत करते हुए युद्ध क्षेत्र में अपनी ताकत साबित की।

उल्लेखनीय है कि आर्मेनिया पहला देश है जिसने 6000 करोड़ रुपए की लागत से 15 आकाश मिसाइल प्रणाली का ऑर्डर दिया था और पहली खेप पिछले साल ही भेजी जा चुकी है। लेकिन संघर्ष के दौरान आकाश ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय श्तर पर महत्वपूर्ण ध्यान आकर्षित किया है। इस प्रणाली को डा. एपीजे अब्दुल कलाम के कुशल मार्गदर्शन में विकसित किया गया था, जो भारत के मिसाइल मैन के रूप में लोकप्रिय हैं। एक और महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि भारत केवल 500 करोड़ रुपए के मामूली निवेश के साथ इस बेहद प्रभावी मिसाइल रक्षा प्रणाली को विकसित करने में सक्षम रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार आकाश किसी भी दिशा से वाश्तविक समय में कई लक्ष्यों को ट्रैक और भेद सकता है। यह 70 किलोमीटर दूर से एक मिसाइल का पता लगा सकता है और इसे 30 किलोमीटर पर नष्ट कर सकता है। ऐसा कहा जाता है कि आकाश और एस-400 ट्रायम्फ सहित भारत की रक्षा प्रणाली अभेद्य दीवार की तरह खड़ी रही।

अब जब आकाश मिसाइल प्रणाली की सफलता संदेह से परे साबित हो चुकी है, सीसे में भारत दुनिया भर से भारी मात्रा में ऑर्डर की उम्मीद कर सकता है। अगर हमें सिर्फ 200 मिसाइलों के लिए भी ऑर्डर मिलते हैं तो इससे 30000 करोड़ रुपए का राजस्व मिल सकता है। ब्रह्मोस : भारत की ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल भारत-पाकिश्तान संघर्ष के दौरान पहली बार युद्ध के मैदान में दिखी, जब इसे 10 मई 2025 को उपयोग में लाया गया।

बताया जाता है कि भारतीय वायु सेना ने पाकिश्तान द्वारा भारत के हवाई क्षेत्र का उल्लंघन करने के प्रयास के जवाब में पाकिश्तान के अंदर कई रणनीतिक स्थानों को निशाना बनाया। हालांकि, भारत सरकार या भारतीय सेना ने इसकी पुष्टि नहीं की है, लेकिन संघर्ष अवधि के दौरान ही, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लखनऊ में ब्रह्मोस एकीकरण और परीक्षण केंद्र का उद्घाटन किया। यह पता चला है कि 12 जून 2001 को इसके सफल परीक्षण के बाद ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल का पहली बार इश्तेमाल ऑपरेशन सिंदूर के दौरान ही किया गया था। ब्रह्मोस मिसाइल को भारत और रूस ने मिलकर विकसित किया है और यह दो चरणों वाली मिसाइल है।

पहले चरण में यह ध्वनि की गति से भी अधिक गति से चलती है और फिर मारक हिस्सा अलग होकर दूसरे चरण में यह ध्वनि की गति से तीन गुना अधिक गति से लक्ष्य पर पहुंचता है। ऐसा माना जा रहा है कि ब्रह्मोस मिसाइल ने अपने लक्ष्य पर बहुत ही सटीक निशाना लगाया है और पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा है।

ब्रह्मोस मिसाइल को रूस के सहयोग से भारत ने विकसित किया है, इसलिए पश्चिमी देशों में इसके विपणन में कुछ समस्याएं आ सकती हैं। लेकिन निश्चित रूप से, ब्रह्मोस की सिद्ध सफलता के कारण इसके बाजार में वृद्धि हो सकती है। सीसीपीआरआई (सिपरी) के अनुसार, वर्ष 2020 और 2024 के बीच रक्षा वश्तुओं का वैश्विक निर्यात सालाना 138 बिलियन अमरीकी डॉलर रहा है। शीर्ष पांच हथियार निर्यातक देश अमरीका, फ्रांस, रूस, चीन और जर्मनी हैं, जिनकी हिस्सेदारी क्रमशः 43, 9.6, 7.8, 5.9 और 5.6 फीसदी है। सामूहिक रूप से, इन पांच देशों के पास इस अवधि के दौरान दुनिया के हथियारों के निर्यात का लगभग 72 फीसदी हिस्सा था। समझना होगा कि वैश्विक रक्षा निर्यात पर अब कुछ खिलाड़ियों का दबदबा नहीं रह गया है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती आशा शर्मा द्वारा 707 मंदाकिनी टावर सेक्टर -4, वैशाली गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) भारत से प्रकाशित एवं एन.सी.आर. प्रिंटर्स, 15/19 साइट-4, साहिबाबाद इंडस्ट्रीयल एरिया जनपद गाजियाबाद से मुद्रित। **संपादक** : संजय शर्मा
फोन: 9899683800 वेबसाइट : www.ncrtoday.in **ई-मेल:** todayncr@gmail.com >> ncrtoday@hotmail.com **RNI**-UPHIN/2009/30721

संक्षिप्त समाचार

विधानसभा चुनाव 2027 के लिए सपा बना रही बड़ी रणनीति

इसलिए भंग कर दीं जिला-महानगर समेत सभी इकाइयां

आगरा , एजेंसी। समाजवादी पार्टी की नई कार्यकारिणी में पीडीए (पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक) वर्ग के कार्यकर्ताओं की भागीदारी बढ़ सकती है। 2027 की तैयारियों को देखते हुए कार्यकारिणी में युवाओं को भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिलने की उम्मीद है। जिला-महानगर कमेटी, राज्य के कार्यकारिणी पदाधिकारी-सदस्य समेत सभी इकाइयां भंग होने से युवा कार्यकर्ताओं की उम्मीद बढ़ गई है। समाजवादी पार्टी बीते कुछ सालों से पीडीए का एजेंडा चला रही है। लोकसभा

चुनाव में इसका भरपूर फायदा भी मिला। अब सपा की नजर 2027 में होने वाले प्रदेश के चुनाव पर है। ऐसे में सपा मुखिया के निर्देश पर प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल ने आगरा की जिला-महानगर, प्रकोष्ठ समेत सभी इकाइयों को भंग कर दिया है। अब नए सिरे से पदाधिकारी तय होंगे। इसमें पीडीए से आने वाले कार्यकर्ताओं की बल्ले-बल्ले हो सकती है। निवर्तमान महानगर अध्यक्ष चौधरी वाजिद निसार का कहना है कि विधानसभा चुनाव की तैयारियों के लिए नई कार्यकारिणी बनेंगी। इसके लिए प्रदेश अध्यक्ष ने वर्तमान इकाइयां भंग कर दी हैं। नई टीम में युवाओं के साथ अनुभवी कार्यकर्ताओं को भी तवज्जो मिलने की उम्मीद है।

सपा के 17 प्रकोष्ठों में 5000 पदाधिकारी- निवर्तमान जिलाध्यक्ष श्रीकृष्ण वर्मा ने बताया कि महानगर और जिला कार्यकारिणी के अलावा सपा युवजन सभा, सपा छात्र सभा, लोहिया वाहिनी, मुलायम सिंह यूथ बिग्रेड, अल्पसंख्यक सभा, महिला सभा, अधिवक्ता सभा समेत 17 प्रकोष्ठ हैं। इनमें 5000 के करीब पदाधिकारी हैं। इन प्रकोष्ठों में निष्क्रिय कार्यकर्ताओं को दरकिनार किया जाएगा।

कंदवा में पूरी रात रही बिजली की आवाजाही, गर्मी से बिलबिलाते रहे लोग

वाराणसी, एजेंसी। बिजली विभाग की ओर से रोजाना शटडाउन लेकर शहर में ट्रांसफॉर्मर और तारों की मरम्मत, उसको बदलने की कार्रवाई लगातार जारी है। इसके बाद भी ट्रिपिंग की समस्या लगातार बनी हुई है। रविवार की रात कंदवा में पूरी रात बिजली की आवाजाही लगी रही। हालांकि दो बार बिजली आई, लेकिन ज्यादा देर तक टिक नहीं सकी। वहीं सोमवार को भी ट्रिपिंग ने शहरवासियों को परेशान कर दिया।

सोमवार को कंदवा, पांडेयपुर, चांदपुर, नरिया, लहरतारा, मंडुवाडीह आदि इलाकों में बिजली की आवाजाही जारी रही। यह स्थिति तब रही जब पूरे शहर में न तो कोई ट्रांसफॉर्मर ही जला, नहीं विभाग के अनुसार कोई विशेष फॉल्ट रहा। विभाग को पूरे शहर में तार टूटने की भी शिकायत भी नहीं मिली। अधीक्षण अभियंता प्रमोद गोगानिया का कहना है कि जिस भी उपकेंद्र पर बिजली कटौती की समस्या आती है, उसे दूर करने का निर्देश दिया गया है।

जालसाजी में पूर्व ब्लॉक प्रमुख रमेश सिंह काका सहित दो दोषी, दर्ज हैं 67 मुकदमे

मऊ , एजेंसी। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट डॉ. कृष्ण प्रताप सिंह ने जालसाजी कर दूसरे की आईडी पर फर्जी फोटो लगाकर सिम लेने के मामले में परदहां ब्लॉक के पूर्व प्रमुख रमेश सिंह काका और जावेद आजमी को सुनवाई के बाद दोषी पाया। इस दौरान जावेद आजमी को न्यायिक अभिरक्षा में लेते हुए जेल भेज दिया और सजा के बिंदु पर सुनवाई के लिए 3 जून की तिथि नियत की। वहीं फैसला सुनाने के समय रमेश सिंह कोर्ट मे उपस्थित नहीं था, इसलिए उसके विरुद्ध गैरजमानती वारंट जारी कर दिया। मामला शहर कोतवाली क्षेत्र का है।

ये है पूरा मामला

अभियोजन के अनुसार सहादतपुर निवासी सूर्यनाथ यादव की तहरीर पर एफआईआर दर्ज हुई। पीड़ित का कथन था कि उसके रिश्तेदार भानु प्रताप निवासी कोटिया, मढिया थाना मुहम्मदाबाद गोहना जो कोई वर्षों से मुंबई में रहकर नौकरी करते हैं। 9 जून 2010 को उसे पता चला है कि उसके रिश्तेदार भानु प्रताप के रिवाल्वर लाइसेंस की आईडी लगाकर प्रार्थना पत्र पर फर्जी फोटो लगाकर बदमाशों द्वारा सिम प्राप्त कर दुरुपयोग किया जा रहा है। इस दौरान उसे पता चला कि पीसीओ संचालक द्वारा सिम कार्ड एक अजनबी व्यक्ति को प्रार्थी के रिश्तेदार भानु प्रताप के नाम से बेचा है जिस पर रिवाल्वर लाइसेंस के फोटो में काफी भिन्नता है। वादी की तहरीर के आधार पर पुलिस ने एफआईआर दर्जकर बाद विवेचना सरायलखंसी थाना क्षेत्र के कैथवली गांव निवासी परदहां ब्लॉक के पूर्व ब्लाक प्रमुख रमेश सिंह काका और जावेद आजमी के विरुद्ध आरोप पत्र सीजेएम न्यायालय में प्रेषित किया। न्यायालय में अभियोजन की ओर से पैरवी करते हुए अभियोजन अधिकारी हरेंद्र सिंह ने कुल 7 गवाहों को पेशकर अभियोजन का पक्ष रखा। सीजेएम ने दोनों पक्षों के तर्कों को सुनने तथा पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्यों का अवलोकन करने के बाद रमेश सिंह काका और जावेद आजमी को दोषी पाया। दोषी पाए जाने के बाद जावेद आजमी को न्यायिक अभिरक्षा में लेते हुए जेल भेज दिया।

जिले में सबसे ज्यादा दर्ज हैं रमेश सिंह पर मामले- एसपी इलामारन जी ने बताया कि शासन स्तर पर चिह्नित माफिया और विभिन्न जनपदों में 67 मुकदमे पंजीकृत है। आईआर-212 गैंग के सरगना रमेश सिंह उर्फ काका के विरुद्ध प्रशासन ने जब्तीकरण की बड़ी कार्रवाई भी प्रशासन कर चुका है। तत्कालीन जिलाधिकारी अरुण कुमार डरा ने 1.24 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क किया था। दिसम्बर 2020 में मऊ पुलिस ने पूर्व ब्लॉक प्रमुख काका की ओर से साले लल्लन सिंह के नाम पर खरीदी गई संपत्ति कुर्क की थी। इसकी कीमत एक करोड़ 12 लाख 63 हजार 976 रुपये है। यह कार्रवाई गैंगस्टर एक्ट के तहत की गई थी। आरोप है कि रमेश ने अपराध के जरिये अर्जित धन से यह संपत्ति बनाई थी।

ब्लॉक प्रमुख भी रह चुका है काका- रमेश सिंह काका जिले के परदहा ब्लॉक का 2005 से 2010 तक निर्दल ब्लॉक प्रमुख भी रह चुका है।इसके बाद उसके द्वारा अपनी पत्नी मीना सिंह 2010 से 2015 तक इसी ब्लॉक से दूसरे बार ब्लॉक प्रमुख बनाया था।

चढ़ावे में हल्के जेवर देख घराती और बराती भिड़े

उन्नाव , एजेंसी। मगरवारा में रविवार रात आई बरात में जयमाल से पहले तिलक की रस्म के दौरान चढ़ावे के जेवर हल्के देख घराती और बराती पक्ष भिड़ गए। आरोप-प्रत्यारोप के बीच लड़के ने होने वाले साले से मारपीट कर दी तो विवाद बढ़ गया। दोनों पक्षों ने शादी से इन्कार कर दिया। पुलिस चौकी लाई जहां किसी ने तहरीर नहीं दी और सुलह होने की बात कही। माखी थानाक्षेत्र के एक गांव निवासी युवक की बरात रविवार रात सदर कोतवाली के मगरवारा स्थित गेस्ट हाउस आई थी। बरात के साथ ही तिलक होने से वर पक्ष को 1.50 लाख रुपये भी देने थे।

रुपये कम होने पर दोनों पक्षों में विवाद हुआ। बाद में वर पक्ष की ओर से चढ़ावे में लाए गए जेवर भी हल्के होने का आरोप लगा तो मामला और बढ़ गया। चर्चा है कि बरात में वह सराफ भी था, जिसे जेवर के रुपये लेने थे, लेकिन जेवर हल्के होने के आरोप से बात बिगड़ गई। विवाद इतना बढ़ा कि मारपीट हो गई। सूचना पर पुलिस पहुंची तो दोनों पक्षों ने शादी से मना कर दिया। चर्चा है कि दोनों प्रेम विवाह कर रहे थे। लड़के का लड़की के घर पहले से आना-जाना भी था। उपनिरीक्षक रवि मिश्र ने बताया कि विवाद होने पर दोनों पक्ष चौकी आए थे, लेकिन कोई तहरीर नहीं दी। वह आपस में सुलह-समझौता का प्रयास कर रहे हैं।

दो निजी अस्पताल के चार डॉक्टरों समेत छह पर केस

कुशीनगर , एजेंसी। मेडिकल कॉलेज से गोरखपुर बीआरडी मेडिकल कॉलेज रेफर हुई गर्भवती महिला को एक दलाल बेहतर इलाज का झांसा देकर शहर के एक निजी अस्पताल में पहुंचाया दिया। यहां पर महिला को खून की कमी बताकर प्लेटलेट्स चढ़ाया गया, हालत बिगड़ने पर कसया के एक निजी अस्पताल में भेजा गया, जहां डॉक्टर ने महिला का ऑपरेशन किया और बच्चा पैदा हुआ। इसके बाद महिला की हालत बिगड़ने लगी तो आनन-फानन में गोरखपुर के सावित्री नर्सिंग होम में लेकर जाने को कहा। वहां जाने पर इलाज के बाद डॉक्टरों ने संक्रमित खून चढ़ाने से शरीर के कई पार्ट में इंफेक्शन होने की बात कही और लखनऊ सहारा अस्पताल में रेफर कर दिया, नौ दिन तक इलाज के बाद महिला की मौत हो गई। इसके इलाज में कसया और पडरौना के निजी अस्पताल संचालकों ने पांच लाख से अधिक रुपये ले लिया है।

नेबुआ नौरंगिया थाना क्षेत्र के पिपरा वर सिवान निवासी महबूब आलम की पत्नी हीना खातून गर्भवती थी। प्रसव पीड़ा होने पर उसको परिजन 4 सितंबर 2024 को मेडिकल कॉलेज लेकर आए। जांच के बाद हालत गंभीर बताकर डॉक्टर ने गोरखपुर मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर कर दिया। आरोप है कि अस्पताल से बाहर निकल कर एंबुलेंस की तलाश कर रहे थे कि एक व्यक्ति पहुंचा और बताया कि मुझे किशन कुशवाहा ने भेजा है मैं एमएस अस्पताल सोहरौना से आया हूं। वह अपने एंबुलेंस से हीना को लेकर एमएस अस्पताल पर चला गया। यहां आने के बाद डॉ. राजन सिंह ने बताया कि प्लेटलेट्स चढ़ाना पड़ेगा। इसके बाद कसया के बुद्धा चैरिटेबल ब्लड बैंक कसया पर एक पर्ची देकर डॉक्टर ने भेजा। वहां से प्लेटलेट्स लाने के बाद हीना को चढ़ाया गया, तबीयत में सुधार नहीं होने पर डॉक्टर ने अपने एंबुलेंस से कसया के एमएसपी मेमोरियल हॉस्पिटल पर भेज दिए। वहां जाने के बाद डॉ. गिरीश सिंह बघेल आए और जच्चा-बच्चा की हालत नाजुक बताते हुए ऑपरेशन करने की बात कही। ऑपरेशन करने के बाद महिला ने बच्चे को जन्म दिया। कुछ देर बाद तबीयत बिगड़ने पर यहां पर भी खून चढ़ाया गया। बाद में डॉक्टर गोरखपुर सावित्री नर्सिंग होम रेफर कर दिया। वहां लेकर मरीज को गए, जहां इलाज के बाद भी आराम नहीं मिला। वहां से लखनऊ के सहारा अस्पताल में डॉक्टर ने ले जाने का सुझाव दिया, जहां डॉक्टरों ने बताया कि संक्रमित प्लेटलेट्स चढ़ाने से महिला की तबीयत गंभीर हो गई। नौ दिन इलाज के बाद उसकी लखनऊ के सहारा अस्पताल में मौत हो गई। कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने रविंद्रनगर धूस पुलिस ने किशन कुशवाहा, डॉ. राजन सिंह, डॉ. राजकुमार कुशवाहा, डॉ. गिरीश सिंह बघेल,नर्स व एक डॉक्टर का नाम पता अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज किया है। रविंद्र नगर थानाध्यक्ष शरद भारती ने बताया कि कोर्ट के आदेश के पर केस दर्ज कर विवेचना की जा रही है। इसमें डॉ. गिरीश सिंह की मौत हो चुकी है, इनका अस्पताल भी बंद है।

सीएचसी अधीक्षक और महिला डॉक्टर का तबादला

पडरौना , एजेंसी। तमकुहीराज सीएचसी पर दस दिन पूर्व प्रसव के बाद सुप्रिया की हुई मौत के मामले में कार्रवाई के नाम पर खानापूर्ति स्वास्थ्य विभाग के जिम्मेदारों ने किया है। ऐसा पीड़ित परिवार का आरोप है। जांच रिपोर्ट आने के बाद तीन दिनों के माथा पच्ची के बाद यह आदेश जारी किया गया। सीएचसी अधीक्षक अमित राय को पद से हटाकर फाजिलनगर के सीएचसी के अंतर्गत आने वाले फरेंदहा न्यू पीएचसी पर सामान्य डॉक्टर के पद पर तैनाती की गई है। वहीं डॉ. सलोनी को सेवरही सीएचसी पर भेजा गया है, जो अपने घर के पास पहुंच गई है। जांच टीम ने अपनी रिपोर्ट में जिक्र किया है कि तमकुहीराज सीएचसी अधीक्षक अमित राय के पास प्रशासनिक क्षमता में कमी है, इसके चलते इतनी बात बढ़ी है। तमकुहीराज के सीएचसी अधीक्षक यहां पर तैनात डॉ. हिमांशु मिश्रा को बनाया गया है। दूसरी ओर स्टाफ नर्स ममता चौहान को विशुनपुरा सीएचसी पर भेजा गया है। तमकुहीराज नगर के वार्ड नंबर सात निवासी सुप्रिया बिहार में शिक्षक थी। 11 दिन पूर्व प्रसव पीड़ा होने पर परिजन सीएचसी पर लेकर पहुंचे। नार्मल प्रसव से बेटा पैदा हुआ। इसके बाद सुप्रिया की तबीयत बिगड़ने लगी। आनन-फानन में डॉ.सलोनी जायसवाल ने मेडिकल कॉलेज कुशीनगर रेफर कर दिया। वहां लेकर परिजन पहुंचे तो डॉक्टर ने बताया कि डेढ़ घंटे पहले ही इसकी मौत हो गई है। इसके बाद घर वाले शव को लेकर सीएचसी पर आए और हंगामा करने लगे। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत की पुष्टि नहीं हो सकी। इसके बाद परिजन सीएचसी अधीक्षक डॉ. अमित कुमार राय और डॉ. सलोनी जायसवाल पर कार्रवाई को लेकर न्याय यात्रा नगर में निकाला और डीएम से मिलकर शिकायत भी किया। सीएमओ की ओर से डिप्टी सीएमओ डॉ. आरडी कुशवाहा के नेतृत्व में गठित हुई जांच कमेटी पर भी परिजन सवाल खड़ा किए हैं। इस मामले में कमेटी ने अपनी जांच रिपोर्ट सीएमओ को सौंप दिया। इसके आधार पर तमकुहीराज के सीएचसी अधीक्षक डॉ. अमित राय को अधीक्षक पद से हटाकर फाजिलनगर सीएचसी के अंतर्गत आने वाले पीएचसी पर तैनात कर दिया गया है।

अब तक काशी में 37 अन्नपूर्णा भवनों का हुआ निर्माण

जानें- सरकार की खास योजना का लाभ

वाराणसी, एजेंसी। सरकार उचित दरों की दुकानों को अब अपना छत दे रही है। सरकार उचित दरों की दुकानों के लिए मल्टीपर्पज अन्नपूर्णा भवन बनवा रही है। अमृत महोत्सव के तहत काशी में हर वर्ष 75 अन्नपूर्णा भवनों का निर्माण होना है। पिछले साल हुई योजना की शुरुआत से अभी तक 37 अन्नपूर्णा भवनों का निर्माण पूरा हो चुका है। उचित दर की राशन की दुकान चलाने वाले कोटेदारों को निशुल्क अन्नपूर्णा भवन सरकार दे रही है, जिससे उनकी आय बढ़ सके और सुविधा मिल सके। मुख्य विकास अधिकारी हिमांशु नागपाल ने बताया कि अन्नपूर्णा भवन ऐसा बहुउद्देशीय भवन है।

जहां से कोटेदार उचित मूल्य के राशन के साथ जन सुविधा केंद्र का भी संचालन कर सकेंगे। इसके अलावा संचालक यहां जनरल स्टोर भी खोल सकते हैं, इसकी बिक्री बाजार दर पर होगी। सभी अन्नपूर्णा भवन में ई-वेइंग स्केल युक्त ई-पॉस मशीन होगी। इससे राशन की घटतौली को रोका जा सकेगा और कार्डधारकों को पूरा राशन मिलेगा। जिलापूर्ति अधिकारी केबी सिंह ने बताया कि उचित मूल्य की राशन की दुकानों के लिए खास स्थानों पर अन्नपूर्णा भवन का निर्माण कराकर कोटेदारों को दिया जा रहा है, जिससे खाद्यान्न रखने के लिए समुचित स्थान हो। अन्नपूर्णा भवन के निर्माण से कोटेदारों का पैसा बचने के साथ सुविधा भी मिल रही है। वाराणसी में उचित दर की 1315 दुकान है। इस वर्ष 37 अन्नपूर्णा भवनों के निर्माण का लक्ष्य था, जिसमे 21 पूर्ण हो चुकी है, वहीं पिछले वर्ष बने 16 अन्नपूर्णा भवन संचालित हो रहे है।

समर्थ पोर्टल पर दिया डाटा प्राचार्य ने किया अस्वीकार, शिक्षकों ने घेरा

उन्नाव , एजेंसी। डीएसएन डिग्री कॉलेज के शिक्षकों द्वारा समर्थ एप पर भरे गए डाटा को कार्यवाहक प्राचार्य ने बिना कारण बताए अस्वीकार कर दिया। इसका सोमवार सुबह 11 बजे शिक्षकों ने विरोध किया। घेराव करते हुए कार्यवाहक प्राचार्य पर नियम विरुद्ध काम करने का आरोप लगाया। शिक्षकों के अनुसार, डाटा अपलोड करने की अंतिम तिथी 31 मई थी, बदले की भावना से 30 शिक्षकों के डेटा को अस्वीकार कर दिया गया। यह शिक्षकों के भविष्य से खिलवाड़ है। क्षेत्रीय शिक्षक संघ के पदाधिकारियों में प्रो. विनय यादव और डॉ. विपिन सिंह के नेतृत्व में शिक्षकों ने डीएसएन कॉलेज के कार्यवाहक प्राचार्य डॉ. प्रदीप गुप्ता से मुलाकात की। उन्होंने 30 शिक्षकों का समर्थ एप पर भरा गया डाटा बिना कारण बताए अस्वीकार करने पर जवाब मांगा। प्राचार्य स्पष्ट नहीं कर पाए तो शिक्षकों ने इसे शिक्षक विरोधी बताते हुए नाराजगी जताई। शिक्षक साथियों से अपील की है कि तीन जून को समर्थ पोर्टल से डाटा अस्वीकार के पेज का स्क्रीन शॉट लें, जिसमें उनका नाम स्पष्ट दिखाई दे। साथ ही सभी शिक्षकों से इस पत्र पर हस्ताक्षर करने का भी अनुरोध किया गया ताकि इस मामले को मजबूती से उठाया जा सके। शिक्षकों ने नारेबाजी की और कहा कि कार्यवाहक प्राचार्य की ओर से शिक्षकों का डाटा अस्वीकार करने का मतलब है कि कोई शिक्षक काम नहीं कर रहा है। अपने हक के लिए लड़ेंगे और इस अन्याय के खिलाफ चुप नहीं रहेंगे। वहीं कार्यवाहक प्राचार्य डॉ. प्रदीप गुप्ता ने बताया कि जिन 21 शिक्षकों ने समर्थ एप पर भरा गया डाटा सही होने का शपथ पत्र दे दिया है उनका सत्यापन कर दिया गया था। जिन शिक्षकों ने नहीं दिया उनका नहीं किया गया है। यह शासन से लिखवाकर दे दें कि शपथ पत्र नहीं लिया जाएगा, अभी 15 जून तक का समय है।

पन्नालाल के बेटे ने कबूली ये बात, अमन के बयान से उलझे सवाल

गोरखपुर, एजेंसी। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की टीम ने पाकिस्तान को गोपनीय सूचनाएं देने की आरोपी महिला के खाते में रुपये भेजे जाने के मामले में शनिवार को खजनी और शहर के तारामंडल इलाके में छापा मारा। जांच के दौरान पता चला कि महिला अनीता सिंह के खाते में तारामंडल निवासी और बैंकॉक में कारोबारी पन्ना यादव के बेटे अमन यादव और बेटी ने रुपये भेजे थे।

एनआईए की जांच के बीच बैंकॉक के पन्नेलाल यादव की बेटियों ने ये माना है कि पापा के कहने पर अनीता दीदी के खाते में रुपये भेजे थे। एनआईए के पास भी पूरी पुख्ता जानकारी है कि अनीता और बैंकॉक में रहने वाले पन्नेलाल यादव एक दूसरे को अच्छे से जानते हैं। इसी वजह से जांच के बात बातचीत में पन्ने की बेटी ने अनीता को दीदा बोलते हुए अपनी बात कही। एनआईए सूत्रों की मानें को मामले में अनीता ही संदिग्ध है। पाकिस्तान को सूचनाएं देने के बदले अनीता के खाते में पाक से भी रुपये भेजे गए थे। इसी खाते में गोरखपुर से 15 हजार रुपये भेजे जाना पर एनआईए की टीम 12/2025 एनआईए एक्ट में दर्ज केस की जांच करने गोरखपुर पहुंची थी।

पाकिस्तान को सूचनाएं उपलब्ध कराने के बदले लेनदेन के मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की टीम की पूछताछ में अमन के बयान से सवाल उलझ गए हैं। बैंकॉक निवासी पन्नेलाल यादव के बेटे अमन ने एजेंसी को बताया कि घर के बगल में जीडीए कॉम्प्लेक्स में चाय की एक दुकान पर उसने और बहन ने किसी के कहने पर अनीता सिंह के खाते में 15 हजार रुपये भेजे थे। हालांकि, उन्होंने चाय की दुकान के मालिक के बारे में कोई जानकारी नहीं दी। बीते दिनों पाकिस्तान को सूचनाएं देने के बदले गुजरात के किसी अनीता सिंह के खाते में

लेनदेन के मामले में एनआईए की टीम ने बैंकॉक निवासी पन्नेलाल यादव के खजनी और शहर स्थित मकान पर पहुंचकर जानकारी जुटाई थी। उधर, परिवार के सदस्यों का दावा है कि जब उन्होंने कोई गलती नहीं की है तो कोई भी जांच हो, वे सहयोग को तैयार हैं। परिजनों ने बताया कि चाय की दुकान विकास नाम के युवक की थी, लेकिन अब दुकान बेचकर वह कहीं और चला गया है। हालांकि विकास या उसके घर परिवार के संबंध की जानकारी भी परिवार के किसी सदस्य को नहीं है। परिजनों के मुताबिक, चार जनवरी की दोपहर में विकास नाम के युवक की दुकान पर पन्नेलाल का बेटा अमन यादव गया था। वहां कोई उससे मिला और कहा कि उससे नकद लेकर 15 हजार रुपये एक नंबर पर गूगल पेमेंट कर दे। परिजनों ने बताया कि अमन ने नंबर लिया और 10 हजार रुपये अपने बैंक खाते और पांच हजार अपनी बहन के खाते से भेजे थे। एनआईए सूत्रों ने बताया कि टीम इस जवाब से असंतुष्ट है। टीम इसे संयोग नहीं मान रही है। टीम का तर्क है कि किसी अंजान खाते में सहयोग के तौर पर 10 हजार रुपये अमन ने भेजा तो बहन के मोबाइल नंबर से लिंक बैंक का खाता और गूगल पेमेंट उसी वक्त अमन के पास आ गया, क्या यह भी एक संयोग था।

एजेंसी के सूत्रों की मानें तो जांच टीम ने मौके पर अमन से पूछा तो वह चाय की दुकान और अन्य बातें बोलकर बचने की कोशिश कर रहा था। सख्ती से पूछताछ और अनीता के नंबर पर अमन के मोबाइल नंबर से भेजी गई रकम दिखाई गई तो अमन फिर थोड़ा सहम गया। इसी के बाद उसने मोबाइल से संचालित अपने गूगल पेमेंट एप की हिस्ट्री में जाकर देखा तो चार जनवरी को अनीता के नाम पर एक नंबर से रुपये भेजे गए मिले।

परिजन और बेटों का कहना है कि उन्हें न अनीता के बारे में जानकारी है और न ही जिसने उनसे रुपये भेजने के लिए कहा था, उसकी जानकारी है। एजेंसी का मानना है कि आखिर ऐसा क्या संयोग बना होगा कि पिता बैंकॉक से हुंडी का काम करते हैं और बेटों के नंबर से पाकिस्तान को सूचनाएं देने वाले के पास 15 हजार रुपये भेज दिए गए। जांच एजेंसी के सूत्रों ने बताया कि दिल्ली से हुई गिरफ्तारी के बाद अनीता का नाम सामने आना और गोरखपुर से जुड़ाव ये महज एक संयोग नहीं हो सकता।

कबड्डी वर्ल्ड कप कैंप में हिमाचल प्रदेश की पांच बेटियां

धर्मशाला, एजेंसी। भारत में होने वाले महिला कबड्डी विश्व कप के लिए भारतीय टीम के चयन के अंतिम कैंप में सूबे की पांच खिलाड़ी भाग लेंगी। इसमें कबड्डी खिलाड़ी ज्योति ठाकुर, पुष्पा राणा, भावना, चंपा और साक्षी शामिल हैं। इससे पहले 10 से 30 मई तक आयोजित इंडिया कैंप में सूबे की खिलाड़ियों ने भाग लिया था। इस दौरान उन्होंने कैंप में अन्य खिलाड़ियों के साथ तालमेल के साथ प्रतिभा का प्रदर्शन भी किया। इसके बाद टीम का चयन होना था। लेकिन महिला कबड्डी विश्व कप की तारीख आगे होने के कारण टीम का चयन नहीं हुआ था। पहले विहार में 1 से 10 जून तक विश्व कप की तिथि प्रस्तावित थी। अब जब विश्व कप की तिथि घोषित होगी उसके बाद भारतीय टीम का चयन किया जाएगा। बताया जा रहा है कि अब विश्व कप जुलाई में शुरू हो सकता है। इसके लिए जून के अंतिम सप्ताह में भारतीय महिला टीम का चयन भी किया जाएगा। इसके कुछ दिन पहले भारतीय कबड्डी संघ की ओर से इंडिया कैंप का आयोजन कर टीम का चयन किया जाएगा। इससे पहले भी एशियन कबड्डी चैंपियनशिप में भी सूबे की चार खिलाड़ी भारतीय टीम का हिस्सा रही हैं। उन्होंने देश के लिए स्वर्ण पदक हासिल किया था। साई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस धर्मशाला की कबड्डी कोच पूजा ठाकुर ने कहा कि भारत में होने वाले कबड्डी विश्व कप में सूबे की चार से पांच खिलाड़ी भारतीय टीम में खेल सकती हैं। अब फाइनल इंडिया कैंप में भी पुष्पा राणा, ज्योति ठाकुर, भावना, चंबा और साक्षी भाग लेंगी।

राष्ट्रीय सब जूनियर कोर्फबाल के लिए 20 खिलाड़ी चयनित

अंडर-15 वर्ग की राष्ट्रीय सब जूनियर कोर्फबाल प्रतियोगिता के लिए पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला सरकाघाट में ट्रायल हुआ। इसमें हमीरपुर, बिलासपुर, कांगड़ा, कुल्लू, मंडी और शिमला जिले के 35 खिलाड़ियों ने भाग लिया। खिलाड़ियों के अच्छे प्रदर्शन के आधार पर 10 लड़के और 10 लड़कियों सहित 20 खिलाड़ियों का चयन किया गया। चयनित खिलाड़ियों के लिए कोचिंग कैंप बिलासपुर जिला में 14 से 20 जुलाई तक लगेगा। कैंप में अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों में से 7 लड़के और 7 लड़कियों सहित 14 खिलाड़ियों की टीम राष्ट्रीय सब जूनियर प्रतियोगिता में प्रदेश का प्रतिनिधित्व करेगी। प्रतियोगिता स्थल के लिए हिमाचल प्रदेश की टीम 20 जुलाई को रवाना होगी। खिल भारतीय कोर्फबाल संघ के उपाध्यक्ष एवं प्रदेश महासचिव बीआर सुमन ने बताया कि राष्ट्रीय प्रतियोगिता 24 से 27 जुलाई को तमिलनाडु के चेन्नई में होगी।

इंडोनेशिया ओपन:

पीवी सिंधु ने नोजोमी ओकुहारा को हराया, लक्ष्य सेन बाहर

जकार्ता, एजेंसी। दो बार की ओलंपिक मेडलिस्ट पीवी सिंधु ने इंडोनेशिया ओपन सुपर 1000 बैडमिंटन टूर्नामेंट के दूसरे दौर में जगह बना ली है। वहीं, लक्ष्य सेन मंगलवार को पहले दौर के कड़े मुकाबले में हारकर बाहर हो गए। सिंधु ने एक घंटे 19 मिनट तक चले महिला सिंगल्स मैच में चिर प्रतिद्वंद्वी जापान की नोजोमी ओकुहारा को 22-20, 21-23, 21-15 से मात दी। पीवी सिंधु और नोजोमी ओकुहारा के बीच कड़ी टक्कर हुई। इस दौरान कई गेम और मैच प्वाइंट शामिल थे।

शुरुआती गेम में भारतीय शटलर ने दमखम दिखाया। सिंधु ने एक गेम प्वाइंट बचाया और आक्रामक शॉट लगाकर 22-20 से मैच अपने नाम किया। दूसरे गेम में सिंधु ने शुरुआती बढ़त हासिल की, लेकिन इंटरवल तक वह 7-11 से पीछे चल रही थीं। इसके बाद उन्होंने जोरदार वापसी की और पावरफुल क्रॉस-कोर्ट स्मैश के साथ दो मैच प्वाइंट जुटाए, लेकिन बार-बार की गई सिंधु की गलतियों ने ओकुहारा को 20-20 से बराबरी पर ला दिया और जापानी शटलर ने आखिरकार गेम 23-21 से अपने नाम कर लिया। निर्णायक गेम में दोनों खिलाड़ियों ने गैर-जरूरी जोखिम से बचते हुए सतर्क रुख अपनाया। सिंधु ब्रेक के समय 11-9 से आगे थीं। इसके बाद उन्होंने अपनी लय हासिल की, लगातार जीत हासिल करते हुए 20-12 से आगे निकल गईं। उन्होंने आठ मैच प्वाइंट जुटाए और पांचवें को गोल में बदलकर जीत सुनिश्चित करते हुए राउंड ऑफ 16 में प्रवेश किया।

मैच के बाद सिंधु ने 14 साल में ओकुहारा के साथ अपने पिछले मुकाबलों को याद किया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया, 14 साल, 20 मैच। मेरे सबसे लंबे से लेकर सबसे छोटे वर्ल्ड चैंपियनशिप फाइनल तक, हमेशा उनके साथ। हमने जीत, हार और एक प्रतिद्वंद्विता साझा की है, जिसे केवल हम ही समझते हैं। लड़ते रहो, नोजोमी। आपके बिना कोर्ट कभी भी वैसा नहीं रहता। इस बीच वर्ल्ड चैंपियनशिप-2021 के सिल्वर मेडलिस्ट लक्ष्य सेन ने चीन के विश्व नंबर 1 शि यू क्यू के खिलाफ अच्छा मुकाबला खेला, लेकिन आखिरकार एक घंटे और पांच मिनट तक चले पहले दौर के पुरुष सिंगल्स मैच में 11-21, 22-20, 15-21 से हार गए। 23 वर्षीय शटलर ने पीठ की चोट से उबरकर मजबूत वापसी की।

इस चोट ने उन्हें पिछले हफ्ते मलेशिया हुए टूर्नामेंट से बाहर कर दिया था। सेन ने दूसरे गेम में 17-11 से पिछड़ने के बाद वापसी की। एक मैच प्वाइंट बचाया और गेम को 22-20 से निर्णायक बना दिया, लेकिन सेन की यह लय बरकरार नहीं रही और विश्व की नंबर एक खिलाड़ी शि यू की ने तीसरे गेम में कंट्रोल हासिल करते हुए मैच को अपने नाम कर लिया।

भारत में हुआ जन्म, फिर छोड़ा देश, अब न्यूजीलैंड ने दिया सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने 2025-26 के सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट का ऐलान कर दिया है। इस सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट में कई नए चेहरे भी देखने को मिले हैं। इसमें भारतीय मूल के खिलाड़ी आदि अशोक भी शामिल हैं। आदि अशोक न्यूजीलैंड की ओर से अपना इंटरनेशनल डेब्यू कर चुके हैं। उन्होंने न्यूजीलैंड के लिए अभी तक सिर्फ 3 ही इंटरनेशनल मुकाबले खेले हैं। इस युवा खिलाड़ी ने न्यूजीलैंड टीम की ओर से अभी तक दो वनडे और एक टी20 मैच खेला है।

आदि अशोक ने दो वनडे मैच में 10 रन बनाए हैं जबकि उन्होंने एक विकेट भी झटका है। टी20 फॉर्मेट की बात की जाए तो इस युवा खिलाड़ी ने एक मैच में 28 के औसत से एक विकेट झटका है। न्यूजीलैंड ने इस साल के कॉन्ट्रैक्ट में 4 नए प्लेयर्स को शामिल किया गया है। आदि अशोक के अलावा इस सूची में मिच हे, मुहम्मद अब्बास और जक फोल्क्स भी शामिल हैं। इस बार की 20 खिलाड़ियों की सूची में पिछले सीजन के चार कॉन्ट्रैक्ट खिलाड़ी टिम साउदी, ईश सोढ़ी, एजाज पटेल और जोश क्लार्कसन शामिल नहीं हैं।

2025-26 के लिए न्यूजीलैंड की सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट सूची

मुहम्मद अब्बास, आदि अशोक, टॉम ब्लंडेल, माइकल ब्रेसवेल, मार्क चैपमैन, जैकब डफी, जक फोल्क्स, मिच हे, मैट हेनरी, काइल जैमीसन, टॉम लैथम, डेरिल मिचेल, हेनरी निकोल्स, विलियम ओरूर्क, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रवींद्र, मिचेल सैंटनर, बेन सीयर्स, नाथन स्मिथ, विल यंग।

आदि अशोक ने किया बड़ा खुलासा

युवा स्पिनर आदि अशोक ने कहा, 'मेरा परिवार न्यूजीलैंड तब आ गया था जब मैं 4 साल का था. तब से ही मैं न्यूजीलैंड को अपना घर बोल रहा हूं, मेरा हमेशा से यह सपना रहा है कि मैं इंटरनेशनल क्रिकेट में न्यूजीलैंड की ओर से भाग लूं.' भारतीय मूल आदि अशोक को 2023 में डेब्यू के बाद पहली बार टीम में वापसी मिली है. वहीं मिच हे और मुहम्मद अब्बास ने अपने इंटरनेशनल करियर की शुरुआत शानदार प्रदर्शन से की. हे ने नवंबर में श्रीलंका दौरे पर टी20 डेब्यू के दौरान छह शिकार करके विकेटकीपिंग का वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया, वहीं अब्बास ने पाकिस्तान के खिलाफ वनडे डेब्यू पर महज 26 गेंदों में 52 रन ठोक कर इतिहास रच दिया था.

वैभव सूर्यवंशी को मिलेगा IPL का बड़ा अवॉर्ड?

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2025 का अब अंत होने जा रहा है. इस सीजन में कई युवा खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया. हालांकि, बिहार के 14 साल के सनसनीखेज बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से सभी का ध्यान खींचा, वह इस बार सबसे ज्यादा सुर्खियों में रहे. राजस्थान रॉयल्स के लिए खेलने वाले वैभव अब आईपीएल 2025 के जमकर रन बनाए. वह बड़े-बड़े गेंदबाजों पर भारी पड़े. अब वह आईपीएल का एक बड़ा अवॉर्ड जीतने की रेस में भी हैं।

बिहार के समस्तीपुर जिले के ताजपुर गांव में 27 मार्च 2011 को जन्मे वैभव सूर्यवंशी ने क्रिकेट की दुनिया में तहलका मचा दिया है. सिर्फ 14 साल की उम्र में, वैभव ने न केवल आईपीएल में सबसे कम उम्र में डेब्यू करने का रिकॉर्ड बनाया, बल्कि टी20 क्रिकेट में सबसे कम उम्र में शतक लगाने का वर्ल्ड रिकॉर्ड भी अपने नाम किया. 19 अप्रैल 2025 को, लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में 14 साल और 23 दिन की उम्र में डेब्यू करते हुए, वैभव ने पहली ही गेंद पर छक्का जड़कर अपनी आक्रामक शैली का परिचय दिया.

इसके बाद, 28 अप्रैल 2025 को गुजरात टाइटंस के खिलाफ वैभव ने 38 गेंदों में 101 रनों की तूफानी पारी खेली, जिसमें 11 छक्के और 7 चौके शामिल थे. यह शतक केवल 35 गेंदों में आया, जो आईपीएल में क्रिस गेल के 30 गेंदों के शतक के बाद दूसरा सबसे तेज शतक है और किसी भारतीय की ओर से सबसे तेज शतक है. इस पारी ने वैभव को रातोंरात स्टार बना दिया और सोशल मीडिया पर उनकी तारीफों के पुल बांधे गए. वह अब आईपीएल का इमर्जिंग प्लेयर अवॉर्ड जीतने के सबसे बड़े दावेदारों में से एक हैं.

● किसे दिया जाता है इमर्जिंग प्लेयर अवॉर्ड?

आईपीएल का इमर्जिंग प्लेयर अवॉर्ड उन युवा खिलाड़ियों को दिया जाता है, जिनका जन्म 1 अप्रैल 1999 या उसके बाद हुआ हो, 5 टेस्ट या 20 वनडे से ज्यादा न खेले हों, सीजन शुरू होने से पहले 25 से कम आईपीएल मैच खेले हों और पहले यह अवॉर्ड न जीता हो. वैभव इन सभी मानदंडों पर खरे उतरते हैं. इस सीजन में उन्होंने 7 पारियों में 252 रन बनाए, जिसमें एक शतक और एक अर्धशतक शामिल है, और उनका स्ट्राइक रेट 206.55 रहा. हालांकि, इस अवॉर्ड की रेस में एक बड़ा नाम साई सुदर्शन का भी है. उन्होंने इस सीजन 15 मैचों में 759 रन बनाए हैं और वह ऑरेंज कैप जीतने की रेस में भी सबसे आगे हैं.

आखिरी गेंद पर बल्लेबाज हो गया रनआउट फिर भी जीत गई टीम, हुआ करिश्मा

नई दिल्ली, एजेंसी। आईसीसी क्रिकेट वर्ल्ड कप लीग 2 2023-27 के शानदार मैच में नेपाल ने स्कॉटलैंड को 1 विकेट से हराया. इस मैच में नेपाल की ओर से बेहतरीन खिलाड़ी करण के.सी. ने धमाकेदार ऑलराउंड प्रदर्शन करते हुए अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई. करण के.सी. ने सिर्फ बल्ले से ही नहीं बल्कि गेंदबाजी से भी फैंस का दिल जीत लिया. वहीं मैच की आखिरी गेंद पर कुछ ऐसा हुआ जिसको देख सभी फैंस हैरान रह गए.

आखिरी गेंद पर नेपाल ने जीता मैच

बता दें कि, आखिरी गेंद पर नेपाल को 1 रन की जरूरत थी. स्कॉटलैंड के स्पिनर मार्क वॉट ने वाइड गेंद फेंकी जिसपर नेपाल का बल्लेबाज रनआउट तो हो गए लेकिन अंपायर का फैसला देखने के बाद नेपाल टीम उत्साहित हो गई. अंपायर ने वाइड का फैसला दिया और नेपाल ने मुकाबले को 1 विकेट से जीता क्योंकि उन्हें 1 रन की ही जरूरत थी जो उन्हें वाइड से मिल गया.

करण के.सी. ने की बेहतरीन गेंदबाजी

इस मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए स्कॉटलैंड ने 50 ओवर में 7 विकेट खोकर 296 रन बनाए. टीम की ओर से सलामी बल्लेबाज चार्ली टीयर ने 80 रन की पारी खेली जबकि फिनले मैक्रेथ ने 55 रन का योगदान दिया. चार्ली टीयर ने अपनी 80 रन की पारी के दौरान 12 चौके और एक छक्का जड़ा. कप्तान रिची बैरिंगटन ने 40 रन बनाए. नेपाल की ओर से करण के.सी. ने घातक गेंदबाजी करते हुए 10 ओवर में 43 रन देकर दो विकेट हासिल किए. उन्होंने इस मैच में स्कॉटलैंड के कप्तान रिची बैरिंगटन को आउट किया जबकि चार्ली टीयर को भी नेपाल के गेंदबाज ने वापस पवेलियन की राह दिखाई.

करण के.सी. ने बल्ले से भी दिखाया कमाल

लक्ष्य का पीछा करने उतरी नेपाल टीम ने एक समय 192 रन पर 7 विकेट खो दिए थे. हालांकि, करण के.सी. ने गेंद के साथ-साथ बल्ले से भी कमाल दिखाया और अपनी टीम के लिए 41 गेंद पर 3 चौके और 4 छक्कों की मदद से 65* रन की बहुमूल्य पारी खेली. करण के.सी. ने पहले गुलशन झा के साथ आठवें विकेट के लिए 60 रन की साझेदारी की. गुलशन झा ने इस मैच में 42 रन का योगदान दिया. इसके अलावा उन्होंने संदीप लामिछाने के साथ मिलकर 9वें विकेट के लिए 38 रन जोड़े. करण ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए फैंस का दिल जीत लिया. नेपाल की ओर से कुशल भुर्तेल ने 53 रन की पारी खेली जबकि कप्तान रोहित पौडेल ने 37 रन बनाए.

नॉर्वे चेस: अर्जुन को हराकर नंबर-2 पर आए गुकेश

नई दिल्ली, एजेंसी। वर्ल्ड चैंपियन डी गुकेश नॉर्वे चेस टूर्नामेंट में दूसरे नंबर पर आ गए हैं। उन्होंने 7वें दौर में हमवतन अर्जुन एरिगैसी को हराया। 19 साल के गुकेश ने अर्जुन को पहली बार क्लासिकल चेज में हराया है। गुकेश की टूर्नामेंट में यह लगातार दूसरी जीत है। उन्होंने पिछले राउंड में दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन को हराया था। संघर्षपूर्ण मुकाबले में मिली इस जीत से गुकेश ने एरिगैसी से दूसरे राउंड में मिली हार का बदला चुकता भी किया। पिछले चैंपियन कार्लसन को पीछे छोड़ा गुकेश के अब 11.5 अंक हो गए हैं। उन्होंने नॉर्वे के गत चैंपियन कार्लसन को पीछे छोड़कर दूसरा स्थान हासिल कर लिया है। अमेरिकी ग्रैंडमास्टर फैबियानो कारूआना 12.5 अंक लेकर टॉप पर हैं। उन्होंने चीन के वेई यी को हराया। कार्लसन एक अन्य अमेरिकी ग्रैंडमास्टर और वर्ल्ड नंबर-2 के खिलाड़ी हिकारू नाकामुरा के खिलाफ आर्मागेडन में जीत के बाद 11 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर हैं। नाकामुरा 8.5 अंकों के साथ चौथे स्थान पर हैं। वर्ल्ड नंबर-1 मैग्नस कार्लसन ने अमेरिका हिकारू नाकामुरा पर जीत दर्ज की। वे तीसरे स्थान पर हैं।

अब 5 जुलाई को होगा नीरज चोपड़ा क्लासिक इवेंट

दुनिया के 12 बड़े खिलाड़ी फेंकेंगे भाला

नई दिल्ली, एजेंसी। नीरज चोपड़ा क्लासिक अंतरराष्ट्रीय भाला फेंक प्रतियोगिता अब 5 जुलाई को बेंगलुरु में आयोजित की जाएगी। आयोजकों ने मंगलवार को यह घोषणा की। भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य संघर्ष के कारण पिछले महीने इस इवेंट को स्थगित कर दिया गया था। भारत में पहली किसी अंतराष्ट्रीय भाला फेंक प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। पहले यह प्रतियोगिता 24 मई को आयोजित की जानी थी। इस प्रतियोगिता का आयोजन ओलंपिक में दो पदक जीतने वाले चोपड़ा द्वारा जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स के सहयोग से किया जा रहा है। इसे भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) से मंजूरी मिली हुई है। श्री कांतीरवा स्टेडियम में आयोजित की जाने वाली इस प्रतियोगिता में 12 खिलाड़ी भाग लेंगे। इनमें दुनिया के 7 सर्वश्रेष्ठ भाला फेंक खिलाड़ी और चोपड़ा सहित 5 भारतीय खिलाड़ी शामिल हैं। चोपड़ा के अलावा इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले अन्य भारतीय खिलाड़ी एशियाई चैम्पियनशिप के रजत पदक विजेता सचिन यादव, किशोर जेना, रोहित यादव और साहिल सिलवाल हैं। इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले विदेशी खिलाड़ियों में दो बार के विश्व चैम्पियन ग्रेनेडा के एंडरसन पीटर्स (व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 93.07 मीटर), जर्मनी के 2016 ओलंपिक स्वर्ण विजेता थॉमस रोहलर (93.90 मीटर), केन्या के 2015 के विश्व चैम्पियन जूलियस येगो (92.72 मीटर), अमेरिका के कर्टिस थॉम्पसन (87.76 मीटर), जापान के एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता जेनकी डीन (84.28 मीटर), श्रीलंका के रुमेश पथिरज (85.45 मीटर) और ब्राजील के लुईज मौरिसियो दा सिल्वा (86.34 मीटर) शामिल हैं। विश्व एथलेटिक्स से श्रेणी ए का दर्जा प्राप्त इस प्रतियोगिता का आयोजन पहले पंचकूला में होना था, लेकिन सीधे प्रसारण के लिए पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था नहीं होने के कारण इसकी मेजबानी बेंगलुरु को सौंपी गई।

आयोजकों के अनुसार इस प्रतियोगिता के लिए टिकट की कीमत 199 रुपये से लेकर 9,999 रुपये तक होगी. इसके अलावा 15 व्यक्तियों के लिए पांच कॉर्पोरेट बॉक्स 44,999 रुपये में उपलब्ध हैं. थ्रोअर रनवे के पास एक विशेष स्टैंड की कीमत 9,999 रुपये है, जबकि रनवे के ठीक पीछे स्थित नॉर्थ अपर स्टैंड में एक और विशेष स्टैंड 2,999 रुपये में उपलब्ध है.